राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 11 जुलाई 2023 वर्ष-6,अंक-167 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के साथ बनेगा नया इतिहास, चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान उतारने वाला चौथा देश बन जाएगा भारत

नई दिल्ली। अंतरिक्ष की दुनिया में भारत इस सप्ताह नया इतिहास रचने जा रहा है। इसरो चंद्रयान-3 को लॉन्च करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग के साथ ही भारत चंद्रमा की सतह पर अपना अंतरिक्ष यान उतारने वाला चौथा देश बन जाएगा।

भारत रचेगा नया इतिहास

केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस सप्ताह श्रीहरिकोटा से चंद्रयान-3 लॉन्च होगा। चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग के साथ ही भारत चंद्रमा पर अपना अंतरिक्ष यान उतारने वाला चौथा देश बन जाएगा।

भारत को पीछे रहना मंजूर नहीं-केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया अमेरिकी यात्रा में अंतरिक्ष संबंधी महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिससे पता चलता है कि जिन देशों ने भारत से बहुत पहले अपनी अंतरिक्ष यात्रा शुरू की थी, वे आज भारत को एक समान सहयोगी के रूप में देख रहे हैं।

जितेंद्र सिंह ने कहा

''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में हमारी अंतरिक्ष क्षेत्र में इतनी बड़ी वृद्धि के बाद भारत अब चंद्रमा की यात्रा में पीछे नहीं रह सकता।''

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि चंद्रयान-3, चंद्रयान-2 का अनुवर्ती मिशन है। इसका उद्देश्य चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग और भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 उच्च स्तर पर काम करेगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री सिंह ने कहा-''चंद्रयान-3 मिशन के प्राथमिक तीन उद्देश्य हैं। चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग, चंद्रमा पर रोवर का उतरना और इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोगों का संचालन करना।''

बता दें कि चंद्रयान-3 इसरो का ड्रीम प्रोजेक्ट है। चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को दोपहर 02.35 बजे लॉन्च किया जाएगा।

पहले आदिवासियों के रिवाज समझें, यूसीसी पर आरएसएस के संगठन की नसीहत

सुशील मोदी ने भी दी थी ऐसी सलाह

नई दिल्ली। देश भर में सभी नागरिकों के लिए एक जैसा कानून बनाने के लिए यूनिफॉर्म सिविल कोड लाने की तैयारी है। इस बीच आदिवासियों समाज को अपवाद के तौर पर छूट देने के भी सुझाव आ रहे हैं। यूसीसी को लेकर कानूनी मामलों की संसदीय समिति की मीटिंग हुई थी, जिसमें अध्यक्ष सुशील मोदी ने आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखने की बात कही थी। अब ऐसा ही सुझाव आरएसएस के आनुषांगिक संगठन वनवासी कल्याण आश्रम ने भी दिया है। वनवासी कल्याण आश्रम ने विधि आयोग को लिखे लेटर में कहा है कि उसे इस मामले में जल्दबाजी में रिपोर्ट नहीं सौंपनी चाहिए।

आरएसएस के संगठन का कहना है कि विधि आयोग इस मामले में कोई फैसला लेने से पहले आदिवासी समाज के रिवाजों और परंपराओं को समझे। इसके लिए उसे आदिवासियों के संगठनों और सिविल सोसायटी के सदस्यों से बात करनी चाहिए। आरएसएस ने इस मामले में आदिवासी समाज के लोगों से भी अपील की है कि वे अपने सुझाव आयोग के सामने पेश करें। संगठन ने कहा कि आदिवासी समाज के लोगों को सोशल मीडिया पर चल रही डिबेट्स को नजरअंदाज करते हुए अपने सुझाव सरकार को सौंपने चाहिए।

आगे बढ़ने से पहले आदिवासियों के रिवाज को समझो

वनवासी कल्याण आश्रम की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हम संसदीय पैनल के सुझाव की सराहना करते हैं, जिसने आदिवासियों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखने को कहा है। संघ ने कहा कि इस मामले में सोशल मीडिया पर डिबेट जरूर चल रही हैं, लेकिन ज्यादातर लोगों में समझ का अभाव है। इसके चलते लोग भ्रमित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के लोगों में भी भ्रम पैदा किया जा रहा है। कुछ लोग अपना एजेंडा पूरा करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। गौरतलब है कि पूर्वोत्तर राज्यों में भाजपा के साथ गठबंधन करने वाले कई राजनीतिक दलों ने भी यूसीसी को लेकर ऐतराज जताया है।

इन राज्यों में आदिवासियों की बड़ी आबादी, भाजपा को हो सकती है टेंशन

दरअसल पूर्वोत्तर भारत, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, बंगाल और झारखंड जैसे इलाकों

अब ऐसा ही सुझाव आरएसएस के आनुषांगिक संगठन वनवासी कल्याण आश्रम ने भी दिया है। वनवासी कल्याण आश्रम ने विधि आयोग को लिखे लेटर में कहा है कि उसे इस मामले में जल्दबाजी में रिपोर्ट नहीं सौंपनी चाहिए।

में आदिवासियों की बड़ी आबादी है। ऐसे में यूसीसी का असर इन राज्यों में देखने को मिल सकता है। यह मामला राजनीतिक लिहाज से भी संवेदनशील है। इसी साल मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा सरकार भी नहीं चाहेगी कि आदिवासी समुदाय के बीच कोई भ्रम पैदा हो, जिसका असर चुनाव में दिखाई दे।

बंगलादेश में डेंगू के मामलों में वृद्धि, छह लोगों की मौत

ढाका। बंगलादेश में डेंगू बुखार के लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच छह और मरीजों की इस बीमारी से मौत हो गई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने सोमवार को यह जानकारी दी हैं। डीजीएचएस की आज यहां जारी रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों में बंगलादेश में डेंगू बीमारी के 836 नए मामले दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि दोनों आंकड़े इस वर्ष एक दिन में सामने आए सबसे अधिक हैं। उन्होंने कहा कि नए मामले सामने आने के साथ बंगलादेश में इस वर्ष अब तक डेंगू के मामलों की कुल संख्या 12,954 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत डीजीएचएस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार रविवार को राजधानी ढाका में डेंगू के 516 मामले सामने आये हैं।

उन्होंने बताया कि छह लोगों की इस बीमारी से मौत होने के साथ ही इस वर्ष डेंगू से मरने वालों की संख्या 73 तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि जुलाई में अब तक 26 लोगों की इस बीमारी से मौतें हो चुकी हैं, वहीं जून में 34 मौत, अप्रैल-मई में दो-दो, फरवरी में तीन और जनवरी में छह लोगों मौत दर्ज हुई। उन्होंने बताया कि जुलाई में अब तक डेंगू के

4,976 अधिक मामले दर्ज किए गए है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष एक जनवरी से नौ जुलाई तक देश के विभिन्न अस्पतालों मे इलाज कराने के बाद कुल 10,131 मरीज इस बीमारी से ठीक हुए है।

चिराग पासवान की एनडीए में जल्द एंट्री की तैयारी, सीटों की शर्त न पड़ जाए भारी

नई दिल्ली। NDA यानी नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की दोस्ती दोबारा होने के संकेत मिल रहे हैं। दरअसल, खबर है कि नई साझेदारी को अंतिम रूप देने के लिए सरकार की तरफ से चिराग पासवान से संपर्क साधा जा रहा है। वहीं, खुद चिराग भी राजधानी दिल्ली पहुंचे थे, जिसके बाद संभावनाएं जताई जाने लगी थीं कि वह केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर सकते हैं। खबर है कि गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय और पासवान के बीच बिहार की राजधानी पटना में लंबी चर्चा हुई है। हालांकि, शाह से मुलाकात को लेकर लोजपा या पासवान ने अब तक आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। भाजपा और लोजपा के बीच दोबारा साझेदारी को लेकर लंबे समय से अटकलों का दौर जारी है।

सीट बंटवारे पर होगी बात

कहा जा रहा है कि पासवान की ओर से भाजपा के सामने सीट बंटवारे को लेकर शर्त रखी गई है। साल 2019 में उनकी पार्टी के हिस्से में 6 लोकसभा सीटें और एक राज्यसभा सीट आई थी। फिलहाल, पासवान खुद अपनी पार्टी से एकमात्र सांसद हैं। उनका कहना है कि 5 फीसदी पासवान समर्थन के चलते उन्हें 2019 जितनी ही सीटें मिलनी चाहिए। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पासवान ने कहा था, भाजपा के साथ चर्चाएं अच्छी दिशा में आगे बढ़ रही हैं। नित्यानंद राय जी के साथ भी आज की मुलाकात उसी प्रक्रिया का हिस्सा थी। मेरी पार्टी ने गठबंधन को लेकर फैसला लेने का अधिकार मुझे दिया है। मैं सही समय आने पर आपको बताऊंगा। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि पासवान की कुछ दिनों में ही एनडीए में वापसी हो सकती है।

चाचा छोड़ चुके हैं साथ

-खास बात है कि साल 2021 में चाचा पशुपतिनाथ कुमार पारस की अगुवाई में 5 सांसद पहले ही पासवान का साथ छोड़ चुके हैं। उन्होंने अलग होकर एनडीए का दामन थाम लिया था। फिलहाल, पारस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में केंद्रीय मंत्री हैं। संभावनाएं हैं कि एनडीए में वापसी के बाद चिराग भी केंद्रीय मंत्री बनाए जा सकते हैं।

डोडा में दो बार भूकंप के झटके महसूस किये गये

जम्मू। जम्मू एवं कश्मीर के डोडा जिले में सोमवार सुबह पांच मिनट के अंतराल पर दो बार हल्के भूकंप के झटके महसूस किये गये।

अधिकारियों ने आज यहां बताया कि सुबह 0538 मिनट पर आये भूंपक की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.9 मापी गई। भूकंप का केंद्र 33.15 डिग्री अक्षांश और 75.68 डिग्री देशांतर पर गहराई 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

इस बीच, सुबह 0543 बजे आये दूसरे भूकंप की रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 3.6 मापी गई।

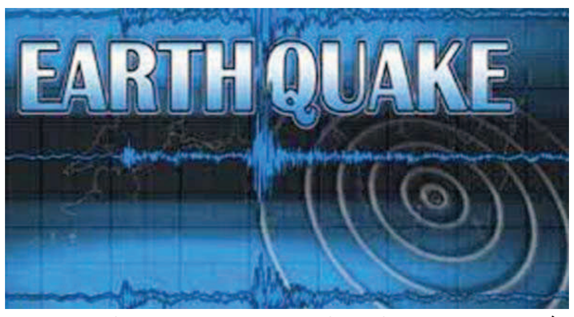

भूकंप का केंद्र 33.15 डिग्री अक्षांश और 75.7 डिग्री देशांतर पर आठ किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

उन्होंने बताया कि उधमपुर, जम्मू और श्रीनगर शहरों में भी हल्के झटके महसूस किये गये है।

डोडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भूकंप के कारण अब तक किसी के घायल होने या किसी नुकसान की सूचना नहीं है।

पेशाबकांड में घर गिराकर फंस गए शिवराज, अब ब्राह्मण संगठन नाराज; प्रवेश को दे रहा चंदा

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में हुए पेशाबकांड पर शिवराज सरकार की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। पीड़ित दशमत के पैर धोकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आदिवासियों की संभावित नाराजगी को कम करने की कोशिश की तो आरोपी प्रवेश शुल्का का घर तोड़े जाने की वजह से अब ब्राह्मण संगठन नाराज हो गए हैं। ब्राह्मण संगठन एक तरफ प्रवेश शुक्ला का घर दोबारा बनाने के लिए चंदा जुटा रहे हैं तो दूसरी तरफ कानूनी लड़ाई लड़ने का भी फैसला लिया गया है। विधानसभा चुनाव से पहले ब्राह्मणों की लामबंदी शिवराज सरकार की मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। प्रवेश शुक्ला का घर तोड़े जाने की वजह से ब्राह्मणों से जुड़े कुछ संगठन नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। इस घर में प्रवेश शुक्ला अपनी पत्नी, तीन साल की बच्ची

और मां-बाप के साथ रहता है। प्रवेश की पत्नी कंचन ने कहा कि कुर्बी गांव में मकान उनकी दादी ने बनवाया था। यह प्रवेश या उसके पिता के नाम पर नहीं था। शुक्ला के समर्थन में लामबंद हो रहे ब्राह्मण संगठनों का कहना है कि वह प्रवेश के अपराध का बचाव नहीं कर रहे हैं, लेकिन उसके किए की सजा परिवार को क्यों दी गई? मकान पर बुलडोजर क्यों चलाया गया? प्रवेश शुक्ला के पिता रमाकांत शुक्ला के अकाउंट नंबर को ब्राह्मण संगठनों के वॉट्सऐप ग्रुप और सोशल मीडिया ग्रुप्स में शेयर किया जा रहा है। पूरे राज्य के लोग चंदा दे रहे हैं। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रदेश प्रमुख पुष्पेंद्र मिश्रा ने कहा, संगठन उस मकान को दोबारा बनाएगा जिसे ढहा दिया गया। आरोपी ने जो किया वह सजा योग्य है, लेकिन परिवार क्यों भुगते? हमने शुरुआत में 51000 रुपए दिए और परिवार के मुखिया का नंबर पूरे संगठन में बांटा गया है। घर बनाने के लिए लोग सहयोग दे रहे हैं। टीओआई से मिश्रा ने यह भी कहा कि संगठन मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में याचिका भी दायर करेगा। सरकार से यह पूछा जाएगा कि किस कानून के तहत परिवार का वैध घर गिरा दिया गया। प्रवेश के पिता रमाकांत शुक्ला ने कहा, वह मेरा बेटा है, लेकिन कानून को मानने वाला नागरिक हूं। मेरे बेटे के खिलाप संविधान के मुताबिक किसी कानूनी कार्रवाई मंजूर है। लेकिन हमारा घर क्यों गिराया गया? मध्य प्रदेश का कानून कहता है कि अतिक्रमण को बरसात के मौसम में नहीं गिराया जाएगा। हमारा परिवार बिना किसी गलती की सजा भुगत रहा है। पहले एक दो दिन पड़ोसियों ने हमारे लिए खाने की व्यवस्था की। अब हम किसी तरह जुटा रहे हैं।

कैसे राहत से आफत में बदल गई मॉनसून की बारिश, अचानक क्यों मौसम ने बदले तेवर

नई दिल्ली। मॉनसून का इंतजार 24 घंटों में ही हाहाकार में बदल गया। उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश समेत कई ऐसे राज्य थे, जहां सड़कों से लेकर इमारतों तक तबाही देखी गई। इतना ही नहीं आंकड़े बता रहे हैं कि उत्तर भारत में मौसम से जुड़ी घटनाओं में 53 लोग जान गंवा चुके हैं। सवाल है कि अचानक मौसम ने इतना रौद्र रूप कैसे रख लिया और मॉनसून की बारिश ने तबाही कैसे मचाई। मौसम विभाग ने कहा है, हिमालय पर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और जोरदार मॉनसून का एक-दूसरे पर प्रभाव हुआ है, जिसके चलते क्षेत्र के बड़े हिस्से पर भारी बारिश हो रही है। खास बात है कि जुलाई में दक्षिण पश्चिम मॉनसून के चलते भारी बारिश होना आम है। कहा जा रहा है कि गंभीर पश्चिमी विक्षोभ है, जिसने बारिश की गतिविधियों में इजाफा किया है। साथ ही भूमध्यसागर क्षेत्र से बन रहे बारिश के सिस्टम के चलते बारिश हो रही है। रिपोर्ट में मौसम के जानकारों के हवाले से लिखा गया कि मॉनसून ट्रफ भी सक्रिय है और इसका पश्चिमी छोर अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण

की ओर है। वहीं, पूर्वी छोर उत्तर में है। मध्य राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है। इन सभी कारणों के चलते भारी बारिश हो रही है।

जुलाई की आठ दिनों की बारिश में बारिश की कमी पूरी-जुलाई महीने के शुरुआती आठ दिनों में देश के कई हिस्सों में हुई मूसलाधार बारिश ने वर्षा की कमी को पूरा कर दिया है। मौजूदा मॉनसून सीजन में संचयी वर्षा 243.2 मिमी तक पहुंच गई है, जो 239.1 मिलीमीटर की सामान्य बारिश से दो प्रतिशत अधिक है। ढ्ढस्ष्ठ ने रविवार को यह जानकारी दी है। आईएमडी के ताजा आंकड़ों के अनुसार उत्तर भारत में 59 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। यहां सामान्य 125.5 मिलीमीटर के मुकाबले 199.7 मिलीमीटर बारिश हुई है। वहीं मध्य भारत की भारत की बात करें तो यहां के किसान बड़ी संख्या में मॉनसून में होने वाली बारिश पर निर्भर रहते हैं। यहां सामान्य से चार प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। देश के मध्य क्षेत्र में 255.1 मिलीमीटर की तुलना में 264.9 मिलीमीटर बारिश हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हिंसा की मंशा

पश्चिम बंगाल में कोई चुनाव बिना हिंसा के पूरा हो जाये तो अचरज ही होगा। दशकों से यहां साल-दर-साल चुनावी हिंसा का इतिहास रहा। इस बार के पंचायत चुनावों में भी ऐसा ही हुआ। बड़े पैमाने पर हिंसा के अतिरिक्त आगजनी, बूथ कब्जाने, बैलेट बॉक्स ले जाने व नष्ट करने के साथ जाली मतदान की भी खबरें हैं। शुरुआत में तेरह लोगों की हत्या की बात कही गई, अपुष्ट सूत्रों के अनुसार यह आंकड़ा ज्यादा हो सकता है। हमलों में बम व गोली का इस्तेमाल हुआ है। सवाल उठाया जा रहा है कि केंद्रीय बलों की तैनाती के बावजूद पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में हिंसा को क्यों नहीं टाला जा सका। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि हिंसा पश्चिम बंगाल की राजनीति का हिस्सा बन चुकी है, यही वजह कि तमाम प्रयासों के बावजूद इस पर नियंत्रण संभव नहीं हो पाता। इसी वजह से इस बार की हिंसा ने 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिसका उदाहरण सर्वाधिक हिंसा के रूप में दिया जाता था, जिसमें दस लोग मरे थे। कलकत्ता हाईकोर्ट लंबे समय से चुनाव के दौरान हिंसा की आशंका के चलते बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जरूरत बताता रहा है। लेकिन राज्य सरकार इसके पक्ष में नहीं थी। बाद में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के खिलाफ राज्य सरकार व राज्य चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट भी गये, इस मांग को शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया था। दरअसल, राज्य सरकार व राज्य चुनाव आयोग की हीला-हवाली के चलते केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती में व्यवधान हुआ। यदि समय रहते उनकी तैनाती होती तो उम्मीद थी कि हिंसा को टाला जा सकता था। दरअसल, केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती न केवल देर से हुई बल्कि संवेदनशील इलाकों में उनकी तैनाती न करने के भी आरोप प्रशासन पर लगे। जिस बात को कलकत्ता हाईकोर्ट लंबे समय से महसूस कर रहा था, उसकी राज्य सरकार ने अनदेखी की। कोर्ट ने ग्यारह जुलाई को चुनाव परिणाम घोषित होने के दस दिन बाद तक केंद्रीय बलों की तैनाती के निर्देश दिये हैं ताकि जीत-हार के तनाव में फिर से हिंसा न हो। दरअसल, कहीं न कहीं राज्य के राजनीतिक दल इन चुनाव परिणामों के निष्कर्ष से आम चुनाव में बढ़त लेने की होड़ में जुटे रहे। यही वजह है कि सभी राजनीतिक दल टीएमसी की भूमिका को लेकर सवाल उठा रहे हैं। भाजपा ने तो राज्य में राष्ट्रपति शासन तक की मांग कर दी है। छह सौ से अधिक बूथों पर फिर चुनाव कराने के चुनाव आयोग के फैसले से साफ है कि किस पैमाने पर धांधली व हिंसा हुई है। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सुरक्षा बलों की तैनाती को लेकर हुई देरी और सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में उनकी तैनाती न होने से हिंसा को बढ़ावा मिला। ऐसे में सवाल उठता है कि पिछली सदी में अस्सी के दशक से शुरू हुआ हिंसा का यह सिलसिला आखिर कहां जाकर थमेगा।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

अनेक समस्याओं की जड़ है बढ़ती आबादी

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

(विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) पर विशेष)

देश में करीब 40 फीसदी आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है।

भारत की आजादी के समय देश की आबादी 36 करोड़ थी, जो बढ़कर 143 करोड़ हो चुकी है। 2019 में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 2024 तक भारत और चीन की जनसंख्या बराबर हो जाएगी और 2027 में भारत चीन को पछाड़कर विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन जाएगा लेकिन भारत इसी साल दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन चुका है। जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम 'ऊंट के मुंह में जीरा' ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। हकीकत यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल नहीं हो सकती थी। आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 फीसदी आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है। देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय

11 जुलाई : विश्व जनसंख्या दिवस

निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें किसी भी दृष्टि से तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पत्तियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है। जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी 'वन चाइल्ड पॉलिसी' को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी है लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा। वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन को विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरूकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। (लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जनसंख्या नियंत्रण से ही होगा समुचित विकास

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

(11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस पर विशेष)

जनसंख्या से तात्पर्य एक सीमित क्षेत्र मे रहने वाले व्यक्तियो की संख्या से है। जब किसी क्षेत्र मे रहने वाले व्यक्तियो की संख्या आवश्यकता से अधिक हो जाए तो उसे जनसंख्या वृद्धि कहते है। अब सवाल यह उठता है कि यह कैसे पता चलेगा कि किसी स्थान की जनसंख्या अधिक है। इसका उत्तर भी साफ है कि जब किसी क्षेत्र के युवाओ के लिए आमदनी के साधन कम हो जाये या किसी परिवार को अपनी दो वक्त की रोटी के लिए अत्याधिक परिश्रम करना पड़े तो निश्चित ही वहा की जनसंख्या आवश्यकता से अधिक होने लगी है। हर साल 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम की गवर्निंग काउंसिल ने 11 जुलाई 1989 को विश्व जनसंख्या दिवस के तौर पर मनाने का फैसला किया। इसके अगले साल 1990 में पहली बार दुनिया के 90 देशों में विश्व जनसंख्या दिवस मनाया गया। विश्व जनसंख्या दिवस का उद्देश्य वैश्विक जनसंख्या मुद्दों के बारे में जैसे परिवार नियोजन का महत्व, लैंगिक समानता, गरीबी पर लोगों की जागरूकता बढ़ाना है । इस दिन का सुझाव डॉ. के.सी.जकारिया ने दिया था। जब उन्होंने विश्व बैंक में सीनियर डेमोग्राफर के रूप में काम किया था। तब जनसंख्या पांच अरब तक पहुंच गई थी।

बढ़ती मानव जनसंख्या ने पूरी दुनिया के तंत्र को गहरे से प्रभावित किया और संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पैदा किया है। इस सम्बन्ध में यह कहा जा सकता है कि-

अति रूपेण वै सीता चाति गर्वेण रावण:।
अतिदानाद् बलिर्बद्धो ह्यति सर्वत्र वर्जयेत।।

अर्थात् अति हर चीज की बुरी होती है। जिस तेजी से विश्व की जनसंख्या बढ़ रही है। उसको देखकर लगता है कि वो दिन दूर नहीं जब गणित के आंकड़े कम पड़ जाएंगे। क्योंकि धरती पर तो इतनी भूमि बचेगी नहीं कि इंसान रह सके। आज बेहिसाब बढ़ती जनसंख्या ना केवल चिंता का कारण है बल्कि सभी समस्याओं का मूल कारण भी है। फिर चाहे पृथ्वी का संतुलन बिगड़ना हो, बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग हो, बढ़ती बेरोजगारी हो या संसाधनों का अभाव हो। बढ़ती जनसंख्या न्यूक्लियर और हाइड्रोजन बम से भी ज्यादा खतरनाक है। हमारे देश में लगातार बढ़ती जनसंख्या के चलते बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे देश का विकास भी बाधित हो रहा है। सरकार के जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए नागरिकों को प्रेरित करने के प्रयास भी बहुत ज्यादा सफल होते नहीं दिख रहे। आये दिन जनसंख्या में वृद्धि हो रही है। इसके पीछे देश में अन्धविश्वास और साक्षरता की कमी को जिम्मेदार मान सकते हैं। हम देश में ये मानने वाली सोच को जिम्मेदार मान सकते हैं जो कहती है कि जितने ज्यादा बच्चे होंगे उतने ही ज्यादा कमाने वाले होंगे। जो लोग आज भी ऐसी सोच रखते हैं उन्हें ये समझना होगा कि सिर्फ घर में बहुत ज्यादा सदस्य होने से ही घर में आय नहीं बढ़ेगी। बल्कि इससे सभी के लिए भरण पोषण हेतु भी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। जनसंख्या के अनुसार हर किसी के लिए संसाधन जुटाना भी उतना ही मुश्किल होगा क्योंकि देश में उपलब्ध संसाधनों का इतनी मात्रा में होना जरुरी भी नहीं है। ऐसे में एक समय के बाद सभी के लिए इन संसाधनों में कमी होने लगेगी। इसलिये पहले ही जागरूक होना बेहतर है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2023 के जनसांख्यिकीय आंकड़ों का अनुमान है कि चीन की 142.57 करोड़ की तुलना में भारत की जनसंख्या 142.86 करोड़ है। अगर आंकड़ों पर गौर करें तो अमेरिका 34 करोड़ की आबादी के साथ तीसरे नंबर पर है। यूएनएफपीए की एक नई रिपोर्ट के अनुसार भारत की 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 वर्ष के आयु वर्ग की है। वहीं 18 प्रतिशत 10 से 19 आयु वर्ग, 26 प्रतिशत 10 से 24 आयु वर्ग, 68 प्रतिशत 15 से 64 वर्ष आयु वर्ग में और 65 वर्ष से ऊपर 7 प्रतिशत है। वहीं विभिन्न एजेंसियों के अनुमानों ने बताया है कि भारत की जनसंख्या लगभग तीन दशकों तक बढ़ती रहने की उम्मीद है। इससे आबादी 165 करोड़ हो सकती है। गौरतलब है कि पिछले साल छह दशकों में पहली बार चीन की आबादी में गिरावट आई थी। इसके बाद चीन की आबादी में कमी ही देखी जा रही है। कहा जा रहा है कि इसका असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि 2011 के बाद से औसतन 1.2 फीसदी रही है। जबकि पिछले 10 वर्षों में यह 1.7 फीसदी थी। यूएनएफपीए इंडिया के प्रतिनिधि एंड्रिया वोजनार ने कहा कि भारतीय सर्वेक्षण के निष्कर्ष बताते हैं कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या का असर आम लोगों पर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया की आबादी 8045 मिलियन है। जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा 65 प्रतिशत 15 से 64 वर्ष की आयु के बीच के लोगों का है। इसके बाद 24 प्रतिशत हिस्सा 10 से 24 वर्ष के समूह में है। 10 फीसदी आबादी 65 साल से ऊपर की है। रिपोर्ट के मुताबिक 15 नवंबर 2022 को दुनिया की आबादी 8 अरब लोगों को पार कर गई थी। दुनिया के 2 सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्र पूर्वी और दक्षिण पूर्वी एशिया है। जहां 2.3 अरब लोग रहते हैं। जो वैश्विक आबादी का 29 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं और मध्य और दक्षिण एशिया 2.1 बिलियन 26 प्रतिशत प्रतिनितधत्व के साथ है। मध्य और दक्षिण एशिया के 2037 तक दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला क्षेत्र बनने की सम्भावना है। वर्ष 2050 तक वैश्विक जनसंख्या में अनुमानित वृद्धि का आधे से अधिक 8 देशों कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, मिश्र, इथियोपिया, भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस और संयुक्त गणराज्य तंजानिया में केंद्रित होगा। स्वास्थ्य देखभाल तक बेहतर पहुंच और जीवन स्तर में सुधार के साथ दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्रजनन दर के साथ-साथ मृत्यु दर कम हो रही है। इसका मतलब यह है कि दुनिया के कुछ हिस्सों जैसे कि जापान में वृद्ध आबादी अधिक है। वर्ष 2023 की रिपोर्ट में पाया गया है कि पुरुषों में जीवन प्रत्याशा अब 71 वर्ष है। जबकि महिलाओं में यह 76 वर्ष है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अब एक अरब 42 करोड़ 86 लाख लोग हैं और यह चीन की आबादी को पछाड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है। भारत की 68 प्रतिशत आबादी 15 से 64 वर्ष की श्रेणी की है। वहीं 26 प्रतिशत आबादी 10 से 24 वर्ष के समूह में है। जिससे भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। हालांकि भारत में प्रजनन दर लगातार गिर रही है।

आज भारत में बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या है। सरकारों के पास जितनी वैकेंसी है। उससे कई गुना लोग बेरोजगार हैं। इसलिए आये दिन लोग रोजगार के लिए सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करने लगते हैं। यह समस्या अकेले भारत की ही नहीं ऐसे प्रदर्शन विश्व के कई देशों में हो रहे हैं। इसलिये बढ़ती जनसंख्या से हुए नुकसान को अब नियंत्रित करने का बहुत ही महत्वपूर्ण समय है। यदि अभी भी लोग जागरूक नहीं हुए तो आने वाले समय में उन्हें इसका बहुत बड़ा खामियाजा चुकाना पड़ सकता है। जनसंख्या को नियंत्रित करने का काम सरकार का ही नहीं बल्कि हर उस व्यक्ति का है जो इस देश में रह रहा है। सभी के प्रयासों और समझदारी से ही हम जनसंख्या विस्फोट से उत्पन्न होने वाली समस्या से निजात पा सकेंगे।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

पहाड़ों पर जल प्रलय, शहरों में बाढ़, विकास के नाम पर विनाश

(लेखक - सनत जैन)

कलयुगी भगवानों को शायद भगवान ने अपनी शक्ति का एहसास कराने के लिए पहाड़ों पर जल प्रलय और नगरों में बाढ़ के दृश्य उत्पन्न करके अपनी श क्ति का अहसास करा दिया है। प्रकृति से छेड़छाड़ करने और विकास के नाम पर स्वयंभू भगवान बन जाने पर भगवान की शक्तियां नहीं आती हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर के 3 राज्यों में बड़े पैमाने पर भूस्खलन के मामले सामने आ रहे हैं। तीन राज्यों में पिछले दो दशक में विकास के नाम पर बड़े-बड़े बांध बनाए गए हैं। बिजली के संयंत्र लगाए गए हैं। पहाड़ों को खोखला करते हुए सुरंगे बनाई गई हैं। पहाड़ों पर रेल लाइन बिछा दी हैं। प्रकृति के साथ की जा रही इस छेड़छाड़ को लेकर पिछले तीन दशक से वैज्ञानिक सावधान करते आ रहे हैं। लेकिन कलयुगी भगवानों के सामने वैज्ञानिक और प्रकृति के ज्ञानी पुरुष धर्माचार्य भी उनके सामने बौने साबित हुए हैं। पिछले एक दशक में हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू कश्मीर के पहाड़ इतने कमजोर हो चुके हैं। जरा सी बारिश में भूस्खलन हो जाता है। हिमालय के सारे भू-भाग में छेड़छाड़ करके प्र क्रि ति को नुकसान पहुंचाने का वह हर काम किया जो हम कर सकते थे। कलयुगी भगवानों द्वारा जो विकास कार्य किया गया है, वह देखते ही देखते आंखों के सामने बह जाता है। पहाड़ी इलाकों में विशेष रूप से जम्मू कश्मीर लद्दाख और हिमाचल में मौसम विभाग ने भारी वर्षा की चेतावनी दी है। अभी हालत और कितने बिगड़ेंगे कहना मुश्किल है। हिमाचल में तो दशकों पुराने लोहे के पुल बह गए जो नए निर्माण किए गए थे, वह बह गए कई लोगों की मौत इस तरह के हादसों में हो रही है। कुछ यही स्थिति शहरों की भी हो गई है। जरा सी बारिश में हर शहर में बाढ़ के दृश्य, निचले इलाकों में उत्पन्न हो जाते हैं। सीवर लाइन और विकास कार्य के लिए जिस बड़े पैमाने पर कंक्रीट और सीमेंट का जंगल तैयार किया गया है। उसके कारण कई अलग अलग तरीके की नई समस्याओं का सामना जनमानस को करना पड़ रहा है। पिछले 3 दशक में विकास के नाम पर राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अरबों खरबों रुपए खर्च किए गए हैं। कमीशन और भ्रष्टाचार के रूप में अरबों खरबों रुपए नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने कमाए भी हैं। इसी कमाई के चक्कर में आंख बंद करके विकास के नाम पर जो सब्जबाग लोगों को दिखाए गए। अब इसका असल स्वरूप सही मायने में प्रकृति और भगवान सबको दिखा रहे हैं। शहरों में पिछले 3 दशक में जिस तरह से सीवर लाइनें डाली गई हैं। उनसे पानी निकल नहीं पाता है। क्योंकि सीवर लाइने बनाते समय पानी के ढलान पर कोई भी ध्यान नहीं दिया गया। सीवर लाइनों के कारण बीमारियां फैल रही हैं। बारिश के दौरान जैसे ही पानी गिरता है। पानी बहने के लिए कोई मार्ग नहीं होता है। जिसके कारण रोड एवं घरों में पानी पहुंचता है। विकास के नाम पर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। खुली नालियां भी बंद हो गई, खुली भूमि नहीं है। जिसमें भूमिगत जल का स्तर बना रहे। पानी को भी फैलने और बहने का रास्ता नहीं मिल रहा है। भारत के लगभग हर शहर में बाढ़ के दृश्य उत्पन्न होते हैं। भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी के कारण जो नाले साफ नहीं होते हैं। नाले भी कचरे से भरे हुए होते हैं। जब पानी गिरता है, तो यही कचरा रोड़ों पर आता है और सड़कों पर पानी फैल जाता है। नदी-नाले बारिश के कुछ माह के अंदर ही सूख जाते हैं। विकास की इस अंधी दौड़ में प्रकृति जन्य संसाधनों के साथ जो छेड़छाड़ की जा रही है। वह चरम अवस्था में पहुंच गई है। हिमाचल की पहा ड़ियों को खोखला कर दिया है। ऐसी स्थिति में अब भगवान को ही अपना रोद्र स्वरूप दिखाना पड़ रहा है। समय रहते कलयुगी भगवान विकास के नाम पर ईश्वर की तरह स्वयंभू भगवान बनने की जो कोशिश कर रहे हैं, वह समय रहते समझ जाएं तो बेहतर होगा।

अति सर्वत्र वर्जिते का सूत्र सभी के ऊपर हमेशा लागू रहता है। अति से बचने की जरूरत है। अन्यथा अस्तित्व को बचाये रखना मुश्किल होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईआरबी का टोल राजस्व में 18 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

मुंबई । आरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड (आईआरबी) का टोल राजस्व चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की पहली तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 1,183 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। इसके पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में टोल संग्रह 1,000 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी ने बताया कि आईआरबी और उसके निजी इनविट आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट का जून महीने का टोल राजस्व 16 प्रतिशत बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में दोनों इकाइयों के टोल संग्रह में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जून, 2023 में कंपनी ने 383 करोड़ रुपए का टोल राजस्व दर्ज किया, जो जून, 2022 में 329 करोड़ रुपए था। आईआरबी इफ्रांस्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमिताभ मुरारका ने कहा, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही काफी सकारात्मक दिख रही है। कुल टोल राजस्व पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में अधिक रहा है। शेष वित्त वर्ष में भी हमें वृद्धि का यह रुख जारी रहने की उम्मीद है।

जून में रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी निवेश 5 फीसदी घटा

नई दिल्ली । रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी (पीई) निवेश चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की तिमाही में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत घटकर 1.9 अरब डॉलर रह गया है। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने कहा कि ऊंची ब्याज दरों की वजह से निजी इक्विटी प्रवाह में कमी आई है। इससे पिछले साल की समान तिमाही में रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी निवेश दो अरब डॉलर रहा था। एनारॉक ने भारतीय रियल एस्टेट में पूंजी प्रवाह पर फ्लक्स 2023-24 की पहली तिमाही की निगरानी रिपोर्ट में कहा है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ऊंची ब्याज दरों की वजह से पीई गतिविधियों में मामूली गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में पीई प्रवाह 1.4 अरब डॉलर रहा था। वहीं 2020-21 की पहली तिमाही में यह 20 करोड़ डॉलर और 2019-20 की पहली तिमाही में 1.7 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के मुताबिक पीई निवेश में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 94 प्रतिशत, जबकि घरेलू कोषों की हिस्सेदारी छह प्रतिशत रही। पीई गतिविधियों में मुख्य रूप से इक्विटी का दबदबा रहा। कुल प्रवाह में इक्विटी निवेश का हिस्सा 94 प्रतिशत रहा।

ग्लोबल पीईटी के शेयर एनएसई, एसएमई पर 52 रुपए के भाव पर खुले

मुंबई । कंपनी ग्लोबल पीईटी के शेयर एसएमई प्लेटफॉर्म एनएसई एसएमई पर 52 रुपए के भाव पर खुले। आईपीओ निवेशकों को 49 रुपए के भाव पर जारी हुए हैं। लिस्टिंग के बाद भी शेयरों की तेजी बढ़ती रही और ये 54.60 रुपए के अपर सर्किट पर पहुंच गया। ग्लोबल पीईटी के 13.23 करोड़ रुपए के आईपीओ के तहत 10 रुपए की फेस वैल्यू वाले 27 लाख नए शेयर जारी हुए हैं। यह इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 28 जून से 3 जुलाई तक खुला था। इसके शेयर 49 रुपए के भाव पर जारी हुए हैं। अब इस इश्यू के जरिए जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल कंपनी फैक्ट्री की बिल्डिंग बनाने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। यह कंपनी पीईटी स्ट्रेच ब्लो मोल्डिंग मशीन बनाती है। ये मशीन फ्रिज बॉटल, पीने के पानी की बोतल, सॉफ्ट ड्रिंक की बोतल, तेल की बोतल, दवाइयों की बोतल और पेस्टीसाइड्स की बोतल बनाने वाली मशीनों में यूज में आती है। कंपनी के पालघर (महाराष्ट्र) में दो प्लांट्स हैं। इसकी देश के 19 राज्यों के साथ-साथ देश के बाहर करीब 19 देशों में मौजूदगी है।

GLOBAL PET INDUSTRIES

चीन ने जैक मा की कंपनी पर लगाया एक अरब डॉलर का जुर्माना

मुंबई ।

जैक मा की कंपनी एंट ग्रुप पर चीन ने करीब एक अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है। इसकी वजह उपभोक्ता सुरक्षा कानून और कार्पोरेट नियमों का उल्लंघन बताया गया है। ये मामले कॉरपोरेट गवर्नेंस, उपभोक्ता की सुरक्षा और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी गड़बड़ियों के हैं। एंट ग्रुप पेमेंट फर्म अली पे का संचालन भी करता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन सिक्योरिटीज रेगुलेटरी कमीशन, पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना और नेशनल फाइनेंशियल रेगुलेटरी एडमिनिस्ट्रेशन ने एक संयुक्त बयान में कहा कि एंट ग्रुप ने बैंकिंग और बीमा, भुगतान, मनी लॉन्ड्रिंग और फंड बिक्री में व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित नियमों को तोड़ा है। वहीं, एंट ग्रुप ने जुर्माने की शर्तों का पालन करने की बात कही है। ग्रुप का कहना है कि वह अपने अनुपालन प्रशासन को और बढ़ाएगा। एंट ग्रुप ई-कॉमर्स दिग्गज अलीबाबा का सहयोगी है, जिसकी स्थापना भी

मा ने की है। अलीबाबा के शेयरों में शुक्रवार को तेजी दर्ज की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कंपनी तीन साल पहले ही जांच के घेरे में आ गई थी, जब रिकॉर्ड तोड़ पेशकश की गई थी। साल 2020 के आखिर में कंपनी ने 37 अरब डॉलर का आईपीओ लाने का फैसला टाल दिया था। कहा जा रहा था कि यह इतिहास में सबसे बड़ी शेयर बिक्री बनने की राह पर था।

इस सप्ताह खुल रहे चार बड़े आईपीओ

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में इस हफ्ते आईपीओ को लेकर काफी हलचल रहेगी। करीब चार आईपीओ खुलने जा रहे हैं। इस कारण आईपीओ में पैसा लगाने का मौका ढूंढ रहे निवेशकों को कई मौके मिलने वाले हैं। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक का आईपीओ 12 जुलाई को खुलने जा रहा है। इसका प्राइस बैंड 23 से 25 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। ये इश्यू 14 जुलाई को बंद हो जाएगा। बाकी के अन्य तीन आईपीओ एसएमई होने वाले हैं। काका इंडस्ट्रीज का आईपीओ 10 जुलाई को खुल गया है। कंपनी के इश्यू का साइज 21.23 करोड़ रुपये हो गया है और इसका प्राइस बैंड 55 से 58 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। ये आईपीओ पूरा फ्रेश इश्यू होगा। ये 12 जुलाई तक निवेशकों के लिए खुला रहेगा। एक अन्य एसएमई आईपीओ अहसोलर टेक्नोलॉजी भी 10 जुलाई को खुलने जा रहा है और 13 जुलाई तक खुला रहेगा। इसका प्राइस बैंड 157 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। ये आईपीओ 13 जुलाई को बंद होगा। इसके अलावा सर्विस केयर का आईपीओ 14 जुलाई से लेकर 18 जुलाई तक खुला रहेगा। इस इश्यू में करीब 30.86 लाख शेयरों की बिक्री की जाएगी।

स्टार्टअप कंपनियों में पहली छमाही में निवेश गिरकर 3.8 अरब डॉलर रहा- पीडब्ल्यूसी इंडिया

नई दिल्ली । भारतीय स्टार्टअप कंपनियों में निवेश 2023 की पहली छमाही में 36 प्रतिशत गिरकर 3.8 अरब डॉलर रह गया है। पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार निवेशक व्यवसाय के हर पहलू की उचित जांच में अधिक समय ले रहे हैं। रिपोर्ट 'स्टार्टअप परिप्रेक्ष्य- पहली छमाही 2023 में कहा गया है कि मात्रा के हिसाब से वित्त वर्ष 2023 की पहली छमाही में कुल निवेश का 57 प्रतिशत शुरुआती स्तर के सौदों के रूप में मिला। मूल्य के हिसाब से शुरुआती स्तर के सौदों का 2023 की पहली छमाही के कुल निवेश का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा रहा लेकिन पिछले साल से तुलना करने पर यह सबसे निचला स्तर बैठता है। इसमें कहा गया है` कि भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में पिछले चार साल में सबसे कम निवेश वित्त वर्ष 2023 की पहली छमाही में रहा। इस दौरान निवेश का आंकड़ा 298 सौदों के लिए 3.8 अरब डॉलर रहा, जो 2022 की पहली छमाही में आए 5.9 अरब डॉलर से लगभग 36 प्रतिशत कम है। जनवरी-जून, 2023 में सबसे ज्यादा निवेश पाने वाले क्षेत्र वित्तीय प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर सेवा (एसएएएस), डी2सी रहे। रिपोर्ट के अनुसार पिछली कुछ तिमाहियों के दौरान चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों के बावजूद, निवेशकों ने सकारात्मक वृद्धि करने वाली कंपनियों में अपने निवेश को दोगुना करके अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के लिए मजबूत समर्थन दिखाया है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 64 , निफ्टी 24 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी रिलायंस इंडस्ट्रीज सहित कुछ कंपनियों के शेयरों में आये उछाल से बाजार ऊपर आया। धातु शेयरों में भी बढ़त आने से बाजार को बल मिला। वहीं ऑटो और आईटी शेयरों में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई

सेंसेक्स 63.72 अंक करीब 0.10 फीसदी बढ़कर 65,344.17 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 65,633.49 की ऊंचाई तक जाने के बाद 65,246.40 तक फिसला। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 24.10 अंक तकरीबन 0.12 फीसदी ऊपर आया। निफ्टी दिन के अंत में 19,355.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,435.85 तक ऊपर जाने के बाद 19,327.10 तक फिसला। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 9 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। रिलायंस के शेयर सबसे ज्यादा 3.78 फीसदी ऊपर आये।

इसके अलावा , टाटा स्टील, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक और सन फार्मा सेंसेक्स के शेयर भी लाभ वाले शीर्ष पांच शेयरों में रहे जबकि 21 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इसमें टाइटन के शेयर सबसे अधिक 3.20 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा एचसीएल टेक, पावर ग्रिड, टीसीएस और विप्रो के शेयर भी नीचे आये।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला है। शुरुआत में सेंसेक्स 210.22 अंक बढ़कर 65,490.67 पर और निफ्टी 64.40 अंक बढ़कर 19,396.20 पर कारोबार करता दिख रहा था। निफ्टी पर रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी लाइफ टॉप गनर तेजी जबकि एचसीएल टेक्नोलॉजीज, डिविस लेबोरेटरीज, टीसीएस, विप्रो और टेक महिंद्रा गिरावट देखी गई। वहीं बीते सप्ताह शुक्रवार को बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

10 साल में 80 प्रतिशत घटी टेलीकॉम कंपनियों की वॉयस कॉलिंग कमाई

नई दिल्ली ।

पिछले दस साल में टेलीफोन कंपनियों की कमाई खासकर कॉ लिंग को लेकर 80 फीसदी घट गई है। ट्राई की मानें तो एसएमएस से विंस की आय में भी भारी गिरावट आई है। मिली जानकारी के अनुसार टेलीकॉम कंपनियों के रेवेन्यू में वॉयस कॉल का हिस्सा पिछले 10 साल में 80 प्रतिशत तक घट गया है। वहीं एसएमएस सर्विस से रेवेन्यू में 94 प्रतिशत की कमी आई है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से जारी एक सर्कुलर के अनुसार, यह गिरावट पिछले 10 साल में इंटरनेट बेस्ड कॉलिंग और मैसेज सर्विस का इस्तेमाल बढ़ने से आई है। ट्राई के अनुसार, इंटरनेट के इस्तेमाल से प्रति ग्राहक औसत रेवेन्यू जून, 2013 तिमाही से दिसंबर, 2022 तिमाही तक 10 गुना बढ़ गया है। हाल ही में ट्राई ने व्हॉट्सएप, गूगल मीट, फेसटाइम आदि मैसेजिंग और कॉलिंग ऐप को रेगुलेट करने को लेकर एक सर्कुलर जारी किया। इस सर्कुलर में ट्राई ने कहा कि संदेश, वॉयस कॉलिंग के लिए 'ओवर द टॉप यानी ओटीटी ऐप के बढ़ते उपयोग से दुनियाभर में टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों की कमाई का प्रमुख जरिया अब मैसेज और कॉल के बजाय इंटरनेट हो गया है। एआरपीयू के सभी प्रमुख कंपोनेंट में जून, 2013 से दिसंबर, 2022 तिमाही तक गिरावट हुई है। एआरपीयू टेलीकॉम कंपनियों की वृद्धि को मापने का प्रमुख तरीका है। यदि रेवेन्यू की बात करें तो ट्राई के अनुसार मेसेज सर्विस या एसएमएस की रेवेन्यू में हिस्सेदारी एआरपीयू के 3.99 रुपए से घटकर 23 पैसे रह गई है। टेलीकॉम कंपनियों के कुल रेवेन्यू में इंटरनेट से कमाई की हिस्सेदारी 2013 के 8.1 से लगभग 10 गुना बढ़कर दिसंबर, 2022 में 85.1 प्रतिशत हो गई है। हालांकि, इस दौरान टेलीकॉम कंपनियों का एआरपीयू 123.77 रुपए से बढ़कर सिर्फ 146.96 रुपए हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, जून, 2013 तिमाही और दिसंबर, 2022 तिमाही के बीच कॉल की रेवेन्यू में हिस्सेदारी घटकर 14.79 रुपए या कुल एआरपीयू का 10.1 प्रतिशत रह गई है। जून, 2013 में यह कुल रेवेन्यू में 72.53 रुपए या 58.6 प्रतिशत थी।

जी इंटरटेनमेंट के प्रमोटर चंद्रा और गोयनका को सेट से नहीं मिली राहत

- सेबी के फैसले के खिलाफ दायर की थी याचिका

मुंबई । जी इंटरटेनमेंट के प्रमोटर सुभाष चंद्रा और पुनीत गोयनका को सेबी के फैसले के खिलाफ दायर की गई याचिका मामले में सेट से राहत नहीं मिली है। सिक्योरिटीज एंड अपीलीय ट्राइब्यूनल (सेट) ने 10 जुलाई को सेबी के फैसले के खिलाफ जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के प्रमोटर्स द्वारा दायर की गई याचिका में राहत नहीं देने का फैसला किया है। जी के प्रमोटर्स सुभाष चंद्रा और पुनीत गोयनका ने सेबी के द्वारा किसी भी कंपनी में कोई अहम पद लेने पर रोक लगावे के फैसले के खिलाफ याचिका दायर की थी। अपीलीय ट्राइब्यूनल ने इस मामले में सेबी और जी एंटरटेनमेंट के सीईओ पुनीत गोयनका की दलील सुनने के बाद 27 जून को अपना फैसला रिजर्व कर लिया था।जानकारी के मुताबिक गोयनका और चंद्रा अगले दो हफ्तों में सेबी को अपना जवाब भेजेंगे। बता दें कि 12 जून को सेबी ने अपने अंतरिम आदेश में कहा था कि एसेल ग्रुप के चेयरमैन चंद्रा और जी एंटरटेनमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर गोयनका किसी भी लिस्टेड कंपनी में कोई अहम पद नहीं ले पाएंगे।

रिलायंस के शेयर सार्वजनिक उच्च स्तर पर!

- मार्केट कैप 18 लाख करोड़ रुपए के पार

मुंबई ।

शेयर बाजार में तेजी के बीच सोमवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर में निवेशकों की जोरदार रुचि देखी गई। रिलायंस के शेयर सार्वजे निक उच्च स्तर पर पहुंच गए। कंपनी ने जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के डीमर्जर के माध्यम से वैल्यू अनलॉकिंग की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद बीएसई सेंसेक्स पर रिलायंस 3 फीसदी से अधिक चढ़ा। रिलायंस के शेयर बढ़त के साथ खुले और एनएसई पर 2,716.70 रुपए के इंट्राडे हाई पर पहुंच गई, जो 2,755 रुपए प्रति शेयर के लाइफटाइम हाई से 1.50 फीसदी से भी कम है। हालांकि, अपने इंट्राडे हाई पर चढ़ते हुए, रिलायंस के शेयरों ने 18 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप को पार करके एक नया मील का पत्थर हासिल किया। सोमवार सुबह 10:07 बजे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का मार्केट कैप 18.45 लाख करोड़ रुपए था। रिलायंस इंडस्ट्रीज अपनी सहयोगी फर्म रिलायंस स्ट्रैटजिक इनवेस्टमेंट लिमिटेड को अलग कर एक नई कंपनी बनाने जा रही है। कंपनी ने इस डीमर्जर के लिए 20 जुलाई को रिकॉर्ड डेट

तय किया है। डीमर्जर की प्रक्रिया के पूरा होने के बाद कंपनी का नाम बदलकर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड कर दिया जाएगा। कंपनी ने बताया कि डीमर्जर के तहत निवेशकों को रिलायंस इंडस्ट्रीज के हर एक शेयर के बदले जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का एक शेयर दिया जाएगा।

टमाटर 150 रुपए के पार, अभी और बढ़ेगा भाव

- 15 जुलाई के बाद आ सकती है टमाटर की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली ।

देश के कई शहरों में इसकी कीमत 150 रुपए से अधिक है। उम्मीद की जा रही थी कि 15 जुलाई के बाद इसकी कीमत में गिरावट आ सकती है लेकिन हाल-फिलहाल टमाटर की कीमत में कमी आने की कोई संभावना नहीं है। बल्कि इसकी कीमत और बढ़ सकती है। आने वाले दिनों में 150 रुपए किलो टमाटर खरीदने के लिए भी आपको मोलभाव करना पड़ सकता है। हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बारिश से टमाटर की तुड़ाई नहीं हो पा रही है और ट्रांसपोर्टेशन में भी भारी दिक्कतें आ रही हैं। इस समय देश में हिमाचल से ही ज्यादातर सप्लाई होती है लेकिन अभी देश के अधिकांश हिस्सों में बेंगलुरु से सप्लाई हो रही है। देश के उत्तरी राज्यों में हो रही भारी बारिश के कारण टमाटर के साथ-साथ बंदगोभी, फूलगोभी, खीरे और साग की कीमत भी बढ़ सकती है। इस सीजन में बंदगोभी, फूलगोभी और शिमला मिर्च की ज्यादातर सप्लाई हिमाचल से होती है। हिमाचल से न केवल दिल्ली बल्कि अधिकांश राज्यों में इसकी सप्लाई होती है। दिल्ली की आजादपुर मंडी में एक टमाटर ट्रेडर ने कहा कि एक हफ्ते में टमाटर की होलसेल कीमत 140 से 150 रुपए तक जा सकती है। भारी बारिश के कारण उत्तरी राज्यों से सप्लाई में कमी आएगी। होलसेल मार्केट में अभी टमाटर की कीमत 40 से 110 रुपए है जबकि इसकी खुदरा कीमत 100 से 160 रुपए किलो है। पिछले साल हुए नुकसान के कारण किसानों ने इस बार टमाटर की खेती से परहेज किया था। इस साल बेंगलुरु में भी कम फसल हुई है। इस साल बेंगलुरु में उत्पादन गिरा है। बेमौसम बरसात से टमाटर की फसल पर कीड़ा लग गया। अगस्त के बाद ही टमाटर की कीमत में कमी आने की उम्मीद है, जब सोलापुर, पुणे, नाशिक और सोलन से टमाटर की सप्लाई शुरू होगी।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा, कुछ राज्यों में सस्ता

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को हल्की गिरावट देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.34 डॉलर गिरकर 73.52 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.33 डॉलर की गिरावट के साथ 78.14 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं।

भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है. जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। गुजरात में पेट्रोल और डीजल 70 पैसे महंगा हुआ है। झारखंड में पेट्रोल-डीजल की कीमत में 44 पैसे का उछाल देखने को मिल रही है। इसके अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र और गोवा में भी ईंधन के दाम बढ़े हैं। उधर केरल पेट्रोल 72 पैसे और डीजल 68 पैसे सस्ता हुआ है। मध्य प्रदेश में भी पेट्रोल के दाम 33 और डीजल के 30 पैसे कम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल सस्ता हुआ है। चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल के भाव इस प्रकार हैं- दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर है।

मारुति को बिक्री की रफ्तार बरकरार रहने की उम्मीद

जोधपुर ।

देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) को घरेलू यात्री वाहन उद्योग की तुलना में अपनी बिक्री की रफ्तार अधिक रहने की उम्मीद है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मारुति के मॉडल विशेष रूप से एसयूवी श्रृंखला की मजबूत मांग से बिक्री की रफ्तार कायम रहेगी। कंपनी का अनुमान है कि कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में यात्री वाहन बाजार की वृद्धि पांच से सात प्रतिशत रहेगी। मारुति के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में यात्री वाहन उद्योग की बिक्री 40.5-41.3 लाख इकाई रहेगी। उन्होंने कहा कि हमने अपने उस अनुमान में संशोधन नहीं किया है जो हमने साल की शुरुआत में लगाया था। हमने कहा था कि उद्योग की वृद्धि 5-7 प्रतिशत के दायरे में होगी और हमारी वृद्धि उद्योग से अधिक होनी चाहिए। पहली तिमाही में कंपनी की वृद्धि 12.2 प्रतिशत रही है, जबकि उद्योग करीब 9.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष में अब तक मांग काफी मजबूत बनी हुई है और अप्रैल-जून की अवधि उद्योग के लिए सबसे अच्छी तिमाही रही है। हमारा मानना है कि आगे चलकर पर मात्रा के हिसाब से वृद्धि कायम रहेगी, क्योंकि बुकिंग मजबूत बनी हुई है, लेकिन वृद्धि धीमी हो सकती है और ऐसा

आधार प्रभाव की वजह से होगा। उन्होंने कहा कि पिछले साल दूसरी तिमाही में बिक्री 10.2 लाख इकाई रही थी जो यात्री वाहन के इतिहास में सबसे अच्छी तिमाही थी। ऐसे में बहुत ऊंची वृद्धि की उम्मीद करना सही नहीं होगा।

वेस्टइंडीज दौरे में रुतुराज, नवदीप को शायद ही खेलने का अवसर मिले

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम 12 जुलाई से मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 15 सदस्यीय दल में बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ और तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को भी शामिल किया है पर इन दोनो ही खिलाड़ियों को मैदान में उतरने का अवसर शायद ही मिले। रुतुराज ने आईपीएल के साथ ही पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में भी शानदार खेल दिखाया है। इसी कारण उन्हें टीम में जगह मिली है पर युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के होने के कारण कप्तान रोहित शर्मा के साथ वही पारी शुरु करेंगे, ऐसे में रुतुराज को अंतिम ग्यारह में शायद ही जगह मिले। यशस्वी के आने से शुभमन गिल को भी तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी पड़ेगीर। वहीं तेज गेंदबाज नवदीप की लंबे समय बाद टीम में वापसी हुई है। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे नवदीप को इसके बाद भी अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी इसके संभावनाएं कम ही हैं। इसका कारण है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अभी अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते जिससे जिससे उन्हें नवदीप पर प्राथमिकता मिलेगी।

भारत-बांग्लादेश की महिला टीमों के बीच आज खेला जाएगा दूसरा टी20 मैच

दोपहर डेढ़ बजे शुरू होगा मैच

मीरपुर । भारत और मेजबान बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम के बीच दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला मंगलवार को यहां खेला जाएगा। पहले ही मैच में मिली शानदार जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम इस दूसरे मैच को भी जीतकर सीरीज अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहला मैच आसानी से जीत लिया था। इस मैच में भारतीय टीम के गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया जिससे टीम के हौंसले बुलंद हैं। भारत ने पहले मैच में सात विकेट से आसान जीत दर्ज की, जिसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नाबाद 54 रनों और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 38 रनों की पारी खेली। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों ने अहम भूमिका निभाई। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा के नेतृत्व में दो नई खिलाड़ियों अनुषा बारेड्डी और मीनू मणि ने अच्छा प्रदर्शन किया। इस मैच में शेफाली शून्य पर ही आउट हो गयी थीं। यहां उनके फुटवर्क में कमी दिखी। ऐसे में अब शेफाली इस मैच में बड़ी पारी खेलकर लय हासिल करना चाहेगी।

बांग्लादेश के अपेक्षाकृत कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के सामने शेफाली के लिए लय हासिल करना आसान होगा। शुरूआती मुकाबले में हरमनप्रीत और बांग्लादेश के बीच काफी अंतर दिखा। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

पहले मैच में मेजबान टीम का कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने सहज नहीं दिखा। शोर्ना अख्तर ने दो छक्के लगाकर 28 गेंद में 28 रन की पारी खेली। भारतीय गेंदबाजों ने ऑफ स्टंप के आसपास गेंदबाजी की जिससे बांग्लादेश की बल्लेबाजों को रन बनाने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, देविका वैद्य, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, एस मेघना, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह , अंजलि सरवनी, मोनिका पटेल, राशि कनौजिया, अनुषा बारेड्डी, मीनू मणि।

बांग्लादेश - निगार सुल्ताना (कप्तान, विकेटकीपर), नाहिदा अख्तर, दिलारा अख्तर, शाथी रानी, शमीमा सुल्ताना, शोभना मोस्तरी, मुर्शिदा खातून, शोर्ना अख्तर, रितु मोनी, दिशा बिस्वास, मारुफा अख्तर, संजीदा अख्तर मेघला, राबिया खान, सुल्ताना खातून, सलमा खातून, फाहिमा खातून।

भारत के पार्थ ने विश्व युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

लिमरिक । भारत के पार्थ सालुंखे ने युवा विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। पार्थ रिकर्व वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले पुरुष तीरंदाज हैं। पार्थ के इस स्वर्ण के साथ ही भारत ने इस चैंपियनशिप में कुल 11 पदक जीतकर अपने अभियान का समापन किया। पार्थ ने अंडर-21 पुरुष रिकर्व तीरंदाजी के व्यक्तिगत फाइनल में कोरियाई खिलाड़ी सोंग इंजुन को पांच सेट तक चले संघर्ष के बाद 7-3 (26-26, 25-28, 28-26, 29-26, 28-26) से हराया। इस मुकाबले में इंजुन ने पहले छह तीर से दो परफेक्ट 10 और तीन 9 अंक वाले निशाना साधा जिससे पार्थ 1-3 से पीछे हो गए। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने तीसरा सेट दो अंकों से जीत कर स्कोर 3-3 कर अपनी लय बरकरार रखी जबकि कोरियाई खिलाड़ी दबाव में आकर बिखर गया। पार्थ ने 10 अंक के दो और एक 9 अंक का निशाना साधकर 5-3 की बढ़त हासिल कर ली और फिर दो एक्स के साथ शानदार अंत किया।

वहीं अंडर-21 महिला रिकर्व व्यक्तिगत वर्ग में भी भारत को कांस्य पदक मिला। भारत की भाजा कौर ने चीनी ताइपे की सु सीन-यू को 7-1 (28-25, 27-27, 29-25, 30-26) से हराकर ये कांस्य हासिल किया। इस चैंपियनशिप में भारत ने कुल छह स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं कोरियाई टीम पहले स्थान पर रही। उसने छह स्वर्ण और चार रजत पदक के साथ पहला स्थान हासिल किया।

लक्ष्य ने कनाडा ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

कैलगरी । भारत के लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कनाडा ओपन बैडमिंटन खिताब जीत लिया है। लक्ष्य ने चीन के ली शी फेंग को पुरुष एकल फाइनल में आसानी से 21-18 और 22-20 से हराकर खिताब अपने नाम किया। लक्ष्य का साल 2022 में इंडियन ओपन जीतने के बाद यह दूसरा बीडब्लयूएफ विश्व टूर खिताब है। कनाडा ओपन के राउंड 32 में लक्ष्य सेन का शुरुआती मुकाबला थाईलैंड के बैडमिंटन खिलाड़ी कुनलावुत विटिडसार्न से था। लक्ष्य ने उन्हें 21-18 और 21-15 से हराया। इसके बाद राउंड 16 में लक्ष्य ने ब्राजील के यगोर कोएल्हो डी ओलिवेरा से को 21-15 और 21-11 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना जर्मन के जूलियन कैरागी से हुआ। इसमें लक्ष्य ने पहला सेट 21-8 से जीता पर दूसरे सेट में उन्हें कैरागी ने कड़ी टक्कर दी और 21-17 से जीत हासिल की। अंत में लक्ष्य ने तीसरे सेट में 21-10 से जीत हासिल कर अपनी ताकत को बढ़ा दिया। सेमीफाइनल में उन्होंने जापान के केंटा निशिमोटो को 21-17 और 21-14 से हराया।

आईसीसी की चार दिवसीय बैठक आज से, बीसीसीआई को दिये जाने वाले राजस्व पर भी होगा फैसला

डरबन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आज से यहां दक्षिण अफ्रीका के डरबन शहर में चार दिवसीय बैठक शुरु होगी। इसमें भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) को मिलने वाले 231 मिलियन डॉलर राज्स के हिस्से पर भी सहमति बनने की उम्मीद है। इस बैठक के दौरान एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य पर भी बात होगी। इसके अलावा टीम टी20 लीग में खिलाड़ियों के भाग लेने पर भी चर्चा होगी। हाल के दिनों में देखा गया है कि खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम से द्विपक्षीय सीरीज खेलने की जगह टी20 लीग मुकाबले खेल रहे हैं जिसका नुकसान राष्ट्रीय टीमों को उठाना पड़ रहा है। अधिक पैसे के लाचच में खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम को छोड़कर समय से पहले ही संन्यास ले रहे हैं।

इस बैठक में सभी सदस्य देशों को अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप की तैयारियों के बारे में जानकारी दिये जाने की भी संभावना है। इस बैठक का सबसे अहम मुद्दा राजस्व वितरण है। बीसीसीआई को 2024-2027 के बीच की अवधि के लिए आईसीसी से 600 मिलियन डॉलर (करीब 49.5 अरब रुपये) के वार्षिक राजस्व में से 38.5 प्रतिशत (230 मिलियन डॉलर वार्षिक) का बड़ा हिस्सा मिलने की संभावना है। इस राशि के भुगतान को लेकर आईसीसी बोर्ड से मंजूरी मिलना तय माना जा रहा है। आईसीसी की वित्तीय और वाणिज्यिक मामलों (एफ एंड सीए) समिति इसके लिए मंजूरी देगी और इसके बाद निदेशक मंडल की बैठक में यह केवल औपचारिकता भर होगा। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा, 'अगर कोई प्रतिशत को आधार बना कर देखें तो भारत को मिलने वाल राजस्व वितरण ज्यादा और अन्य को मिलने वाला कम लग सकता है , पर यहां ये भी देखा जाना चाहिये कि भारतीय बोर्ड व्यावसायिक रुप से आईसीसी को मिलने वाले राज्स्व में अहम भूमिका निभाता है। इसी कारण भारत को 38.5 प्रतिशत और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को 6.89 प्रतिशत और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को 6.25 प्रतिशत हिस्सा देने जा रहा है। इस राजस्व को प्रतिशत की जगह मात्रा के नजरिये से देखना चाहिये।' उन्होंने कहा, 'सदस्य देशों को पिछले आठ वर्षों में जो रकम मिली है यह उसकी तुलना में काफी अधिक है। इंग्लैंड का हिस्सा 41 मिलियन डॉलर (लगभग 3.3 अरब रुपये) है जबकि पिछले चक्र में उसे 16 मिलियन डॉलर करीब 1.32 अरब रुपये मिले थे। वहीं इसी प्रकार एसोसिएट देशों को 22 मिलियन डॉलर की जगह 67 मिलियन डॉलर मिलेंगे।' उन्होंने कहा, 'इस प्रतिशत की गणना क्रिकेट रैंकिंग , आईसीसी टूर्नामेंटों में प्रदर्शन और खेल में व्यावसायिक योगदान पर आधारित है। भारत खेल के व्यावसायिक पहलू में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस बैठक में एकदिवसीय सीरीज के भविष्य पर भी बात होगी।

संक्षिप्त समाचार

लारा को किर्क और एलिक से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें

रोसीयू । वेस्टइंडीज टीम के सलाहकार बने दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा को उम्मीद है कि टीम में पहली बार शामिल किये गये युवा बल्लेबाज किर्क मैकेंजी और एलिक अथानाजे भारत के खिलाफ 12 जुलाई से होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। लारा का कहना है कि उनकी टीम अभी कठिन दौर से गुजर रही है पर सकारात्मक बात ये ही टीम के युवा खिलाड़ी सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और उनमें से कुछ भारत के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित कर सकते है। भारतीय टीम 12 जुलाई को डोमिनिका में अपना टेस्ट अभियान शुरू करेगी। टेस्ट मैचों के बाद टीम तीन एकदिवसीय और पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज भी खेलेगी। लारा ने कहा कि हमें दो बहुत अहम टेस्ट मैच खेलने हैं। इससे हमारा दो साल का विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र भी शुरू होगा। यह भारत के खिलाफ है और भारतीय टीम अपने घर में खेले या बाहर हर जगह दुनिया की शीर्ष टीमों में से एक है, इसलिए मुकाबला आसान नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं शिविर के अनुभव से कह सकता हूं कि खिलाड़ी सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। डोमिनिका में पहले मैच से बस कुछ ही दिन दूर हैं, लेकिन यह एक युवा समूह है, जिसकी कप्तानी क्रैग ब्रैथवेट कर रहे हैं। विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल रहे लारा ने कहा कि मुझे लगता है कि इस श्रृंखला में कुछ खिलाड़ी अपनी पहचान बनाएंगे। भारत एक कठिन प्रतिद्वंद्वी है पर मुझे लगता है कि हम खिलाड़ियों से इसी तरह सर्वश्रेष्ठ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवा मैकेंजी और एलिक शानदार खिलाड़ी हैं। इन दोनो के पास प्रथम श्रेणी का ज्यादा अनुभव नहीं है पर इनके खेलने की शैली देखकर कहा जा सकता है कि ये दोनो ही शीर्ष स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं।

रोहित की कप्तानी से उम्मीदें थी पर उन्होंने निराश किया : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि उन्हें रोहित शर्मा की कप्तानी से काफी उम्मीदें थीं पर जिस प्रकार टीम का प्रदर्शन रहा है उससे उन्हें निराश हुई है। गावस्कर ने रोहित के अलावा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ पर भी निशाना साधा है। रोहित जब कप्तान बने थे तो गावस्कर को उनसे काफी उम्मीदें थीं। इसका कारण ये है कि कप्तान के रुप में रोहित का रिकार्ड काफी अच्छा रहा है पर जिस प्रकार भारतीय टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में हार का सामना करना पड़ा उससे गावस्कर को निराशा हुई। इसी मामले को लेकर उन्होंने द्रविड़ के अलावा विक्रम राठौड़ और पारस म्हाम्ब्रे को भी फटकारा है। गावस्कर ने कहा, मुझे रोहित से अधिक की उम्मीद थी। भारत में यह अलग है, लेकिन जब आप विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वास्तव में यही परीक्षा होती है। यहीं पर उनका प्रदर्शन थोड़ा निराशाजनक रहा है। यहां तक कि टी20 प्रारूप में भी, आईपीएल के तमाम अनुभव, सर्वश्रेष्ठ आईपीएल खिलाड़ियों का साथ और कप्तान के रूप में काफी मैचों के बावजूद फाइनल में नहीं पहुंच पाना निराशाजनक रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि कि चयनकर्ताओं और बीसीसीआई को हार के कारणों की समीक्षा भी करनी चाहिये थी।

भारतीय प्रशंसकों की आलोचना करने वाले इंग्लैंड के कमेंटेटरों पर बरसे गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने एशेज सीरीज के दौरान भारतीय प्रशंसकों की आलोचना करने के लिए इंग्लैंड के कमेंटेटरों को जमकर फटकारा है। इन कमेंटेटरों ने कहा था कि जब कोई भारतीय बल्लेबाज आउट हो जाता है या जब किसी भारतीय गेंदबाज पर बल्लेबाज चौका मारता है, तो मैदान पर भारतीय भीड़ कितनी शांत हो जाती है। इस प्रकार की टिप्पणी पर गावस्कर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि एशेज में भी इंग्लैंड के प्रशंसकों को केवल तभी उत्साह से हौंसला बढ़ाते देखा गया जब घरेलू टीम ने अच्छा खेला। वहीं दूसरी ओर कमेंटेटर पहले दो टेस्ट मैचों के दौरान ऑस्ट्रेलिया के शानदार प्रदर्शन के बाद भी मेजबान टीम का समर्थन कर रहे थे। गावस्कर ने इन कमेंटेटरों की मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्थानीय प्रशंसकों के लिए अपनी घरेलू टीम का समर्थन करना समझ में आता है पर यह बात कहना कि ये केवल भारत में होता है गलत है। गावस्कर ने लिखा, यह कोई भारतीय घटना नहीं है, बल्कि हर देश में ऐसा होता है, जहां घरेलू दर्शक तब तक शांत रहते हैं जब उनके गेंदबाजों के खिलाफ बाउंड्री लगती है या उनके बल्लेबाज आउट हो जाते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मौजूदा एशेज श्रृंखला को देखकर ये और भी साफ हो जाता है। गावस्कर ने लॉर्ड्स में दूसरे एशेज टेस्ट में कीपर-बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को आउट करने के तरीके को संभालने के लिए ब्रिटिश मीडिया की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, आम तौर पर क्रिकेट जगत लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट मैच में जॉनी बेयरस्टो की स्टंपिंग के सही और गलत पर चर्चा करने में व्यस्त है जबकि बेन स्टोक्स की शानदार पारी पर किसी ने बात नहीं की। यह इस बात का उदाहरण है कि छोटी चीजें अक्सर अधिक महत्वपूर्ण घटनाओं पर भारी पड़ जाती हैं।

लंबे समय बाद वापसी कर रहे वोक्स रहे इंग्लैंड की जीत के नायक

लंदन । क्रिस वोक्स के ऑलराउंड प्रदर्शन से इंग्लैंड ने एशेज क्रिकेट सीरीज के तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का तीन विकेट से हराकर सीरीज में अपनी संभावनाएं बरकरार रखीं हैं। हेडिंग्ले में इंग्लैंड की जीत में क्रिस वोक्स ने अहम भूमिका निभाई। लंबे समय बाद टीम में वापसी करने वाले वोक्स ने अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों से ही टीम को संभाला। वोक्स ने हेडिंग्ले टेस्ट की दोनों ही पारियों में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। इस गेंदबाज ने पहली पारी में ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन और मिचेल मार्श को पेवेलियन भेजा। वहीं, दूसरी पारी में उन्होंने मार्श और एलेक्स कैरी को पेवेलियन भेजने के बाद उस्मान ख्वाजा को भी अर्धशतक से रोक दिया। दोनो ही पारियों में कुल मिलाकर वोक्स ने छह महत्वपूर्ण विकेट लिए। वहीं दूसरी पारी में जब मेजबान टीम मुश्किल में थी तो वोक्स ने अपनी बल्लेबाजी से टीम को संभाला। उन्होंने हैरी ब्रूक के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी बनायी। ब्रूक और वोक्स के बीच हुई साझेदारी से ही इंग्लैंड की मैच में वापसी हुई। ब्रूक के पवेलियन लौटने के बाद एक बार फिर जब टीम संकट में फंसती दिखी तो वोक्स ने एक छोर थामे रखा। वोक्स ने 47 गेंदों में नाबाद 32 रन की शानदार पारी खेलने के साथ ही मिचेल स्टार्क की गेंद पर चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी शानदार प्रदर्शन के लिए वोक्स को सराहा है।

विश्वकप को लेकर अपनी बयानबाजी से दबाव बनाने का प्रयास कर रहे मजारी

लाहौर । पाकिस्तान के खेल मंत्री एहसान उर रहमान मजारी ने विश्वकप में भाग लेने को लेकर बयानबाजी शुरु कर दी है। मजारी पाक प्रधानमंत्री की बनायी उस समिति में शामिल हैं जिससे टीम के भारत दौरे को लेकर फैसला करना है। ऐसे में अब मजारी गीदड़भभकी देकर भारतीय बोर्ड पर दबाव डालने का प्रयास कर रहे हैं पर वह नहीं जानते कि इससे भारतीय बोर्ड पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि अगर पाक टीम विश्वकप खेलने नहीं आती तो ये उसे लिए ही नुकसानदेह होगा। आईसीसी ने पहले ही कह दिया है कि मैच स्थल बदलने के साथ ही तटस्थ स्थलों पर खेलने जैसी कोई मांग नहीं मानी जायेगी। वहीं इसके बाद भी मजारी को लगत है कि वह बयान बाजी कर भारतीय बोर्ड को दबाव में ला देंगे। मजारी ने कहा है कि भारतीय टीम एशिया कप के अपने मैच पाकिस्तान में न खेलकर किसी तटस्थ जगह खेलती है तो हम भी भारत में होने वाले अपने विश्व कप के मैच किसी तटस्थ स्थल पर खेलेंगे। इसके बाद से ही पीसीबी के अधिकारी भी उत्साह में हैं। वहीं अगर पाक इस प्रकार के रवैये पर अड़ा रहा तो उसे आईसीसी की नाराजगी झेलनी पड़ेगी क्योंकि विश्वकप आईसीसी का टूर्नामेंट है।

कोच के समर्थन में उतरे छेत्री

नई दिल्ली । भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने मुख्य कोच इगोर स्टिमक की एशियाई कप से पहले कम से कम चार सप्ताह लंबे अभ्यास शिविर लगाने की मांग का समर्थन किया है। छेत्री के अनुसार सर्वश्रेष्ठ टीमों से खेलने से पहले काफी तैयार की जरुरत होती है। छेत्री अगले साल की शुरुआत में 12 जनवरी से 10 फरवरी तक अपना अंतिम एशियाई कप खेलेंगे। ऐसे में उनका लक्ष्य जीत के साथ अलविदा कहना रहेगा। इसलिए उन्होंने इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले एशिया में शीर्ष सात रैंकिंग पर कायम टीम ईरान, जापान या सऊदी अरब के खिलाफ कम से कम एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच कराने की मांग की है। छेत्री ने कहा, ''हम एशियाई कप में आस्ट्रेलिया, उज्बेकिस्तान और सीरिया से खेलने जा रहे हैं, इसलिये स्टिमक और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने लंबे शिविर लगाने की बात कही। हमें इसकी जरूरत भी है, मुझे उम्मीद है कि हमें ये मिलेंगे।

उन्होंने पिछले दो टूर्नामेंट में टीम की सफलता के लिए 50 से ज्यादा दिन के लंबे शिविर को श्रेय दिया और कहा, 'जब आप राष्ट्रीय शिविर में जाते हो तो उसमें खिलाड़ियों को चोट भी होती हैं और वे अपने संबंधित क्लब से अलग मानसिक स्तर के साथ आते हैं। आपको इन सभी चीजों को देखना होता है और ये सब करने के लिए आपको और अधिक समय की जरूरत होती है। खिलाड़ी मई के मध्य से सैफ चैम्पियनशिप तक राष्ट्रीय शिविर में रहे थे। कोच ने कहा था कि उन्हें एशियाई कप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कम से कम चार हफ्ते का शिविर चाहिए होगा जबकि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के शीर्ष अधिकारियों के अनुसार ये मांग पूरी करना कठिन होगा क्योंकि क्लब अपने खिलाड़ियों को घरेलू सत्र के बीच में इतने लंबे समय के लिए रिलीज करने के लिये शायद राजी नहीं होंगे।

केलगरी में कनाडाई ओपन के मिश्रित युगल में खेलती हुई हिरोकी व नटसू।

प्राथमिकता के आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलानें दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं–शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं।अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना– ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय–समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो–चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।

इन मेकअप प्रोडक्ट्स से रहें दूर

टेलकम पाउडर

टेलकम पाउडर सामान्य तौर पर आपमें से कई लोगों के जीवन का एक अहम हिस्सा होगा। भले ही आप इसे सुरक्षित मानते हों, लेकिन इसमें मौजूद सिलेकेट्स नामक तत्व आपको एलर्जी, फेफड़ों में इंफेक्शन या फिर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार बना सकता है।

ब्लीच क्रीम

अधिकांश ब्लीच क्रीम में पाया जाने वाला हाइड्रोक्विनोन त्वचा के निकलने, लालिमा या लाल रेशेस अथवा त्वचा के रूखेपन के लिए जिम्मेदार होता है। इसकी जगह त्वचा प्रभावशाली घरेलू उत्पादों का प्रयोग करना बेहतर होगा।

लिप ग्लॉस

होंठों पर चमकदार नमी लाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला लिपग्लॉस कुछ ऐसे केमिकल्स से युक्त होता है, जो आपके होंठों की त्वचा को अंदर से रूखा कर सकते हैं साथ ही रोमछिद्रों को ब्लॉक कर सकते हैं।

हेयर कलर

इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स आपके सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा त्वचा का लाल होना और खुजली जैसी समस्याएं भी हो सकती है जो अन्य गंभीर समस्याओं को जन्म देती हैं।

नेल पॉलिश

भले ही अपको रंगीन, चमकीले नेल पॉलिश का शौक हो, लेकिन इनमें मौजूद एसीटोन आपके नाखूनों को दाग या धब्बों से युक्त बनाने के साथ ही कमजोर बनाने में सहायक होता है। इसके लिए हमेशा नेल पॉलिश का इस्तेमाल करने से बचें।

बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

पैसे के बारे में बात नहीं करना

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि, 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग–अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

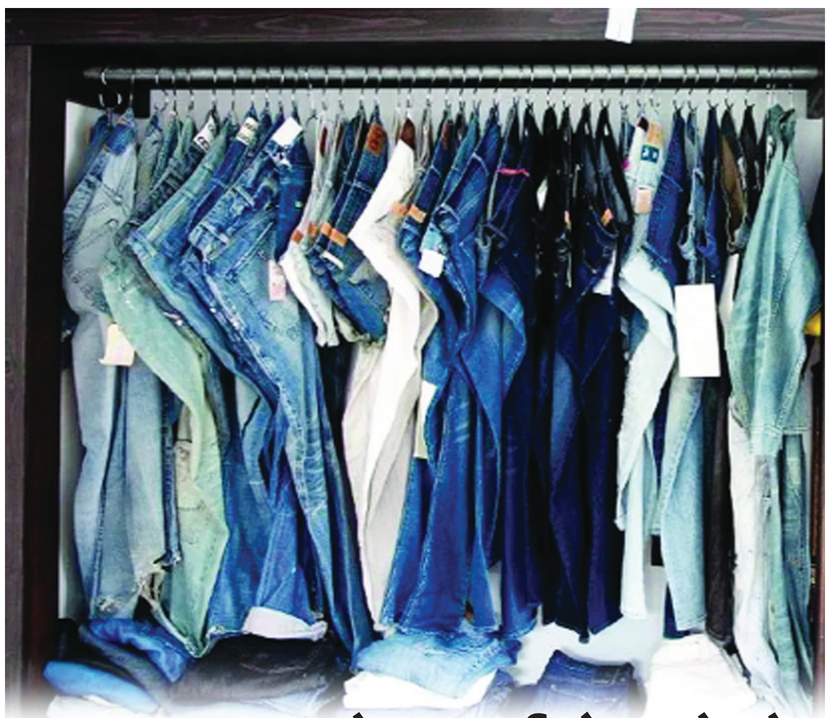

क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रैंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी हैं कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रैंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने–जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग–अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो–हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती है। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती है। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती है। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए रंग चुनें। इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी ड्रेस से मैचिंग रंग चुन सकती है।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हैवी व बोल्ड मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें

अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती है। मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही है मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशेज लगाने की गलती ना करें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जापान में बाढ़ और भूस्खलन से 6 लोग लापता

तोक्यो। दक्षिण-पश्चिम जापान में मूसलाधार बारिश से बाढ़ आने और भूस्खलन होने के कारण कम से कम छह लोग लापता हो गए। क्युशु और चुगोकु क्षेत्रों में हो रही बारिश के कारण कई नदियों में बाढ़ आ गई है और भूस्खलन की भी खबरें हैं, इसकारण सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं, ट्रेन की आवाजाही पर असर पड़ा है तथा कुछ इलाकों में जल आपूर्ति बाधित हुई है। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने फुकुओका और ओइता प्रांतों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है तथा नदी के तट पर तथा पर्वतीय इलाकों में रह रहे लोगों से अत्यधिक सतर्कता बरतने की अपील की है। संवेदनशील इलाकों में निवासरत 17 लाख से अधिक निवासियों से सुरक्षित स्थानों पर जाने का आग्रह किया गया है। दमकल और आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि कम से कम छह लोग लापता हैं।

'वर्जिन अटलांटिक ने पाकिस्तान से उड़ान बंद की

इस्लामाबाद। ब्रिटिश एअरलाइन 'वर्जिन अटलांटिक' ने इस्लामाबाद से लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे के लिए आखिरी उड़ान भरने के साथ ही पाकिस्तान में अपना कामकाज बंद कर दिया है। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने बताया कि एअरलाइन के एक विमान ने इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह आठ बजे लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे के लिए आखिरी उड़ान भरी। खबर के अनुसार, ब्रिटिश एअरलाइन ने दिसंबर 2020 में इस्लामाबाद में अपनी उड़ानों का संचालन शुरू किया था और वह सप्ताह में सात उड़ानों का संचालन करती थी। एअरलाइन ने शुरुआत में मैनचेस्टर तक चार और हीथ्रो हवाई अड्डे तक तीन उड़ानों का संचालन किया। बाद में एअरलाइन ने अपनी सेवाओं को सप्ताह में हीथ्रो हवाई अड्डे तक केवल तीन उड़ानों में सीमित कर लिया था। खबर के अनुसार, वर्जिन अटलांटिक ने इस्लामाबाद और लंदन के बीच ग्राहकों को उत्कृष्ट हवाई यात्रा सेवाएं उपलब्ध करायीं। एअरलाइन के प्रवक्ता ने लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे और पाकिस्तान के बीच सेवाएं निलंबित करने का ''मुश्किल फैसला'' लेने के लिए खेद जताया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह फैसला पाकिस्तान के आर्थिक संकट और कारोबार पर उसके असर से जुड़ा है।

ट्विटर ने गिलगित-बाल्टिस्तान को भारत का हिस्सा बताया

सैन फ्रांसिस्को। ट्विटर ने फिर खबरों में बने रहने का रास्ता तलाश लिया है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्लेटफॉर्म ने गिलगित-बाल्टिस्तान को भारत का हिस्सा बताया है। यहां से ट्विट कर रहे यूजर्स की लोकेशन भी कश्मीर आई है। वहीं क्षेत्र के लोगों ने पाकिस्तानी सरकार के आधिकारिक हैंडल्स को एक्सेस करना चाहा, तब उन्हें पता लगा कि ये हैंडल ब्लॉक हो चुके हैं। साथ ही इस क्षेत्र को भारत के हिस्से वाले कश्मीर के तहत बताया। रिपोर्ट के अनुसार, उपयोगकर्ताओं द्वारा एप पर लोकेशन फीचर चालू करने के बाद भी क्षेत्र से भेजे गए ट्वीट्स को जम्मू-कश्मीर से उत्पन्न होने के रूप में चिह्नित किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने स्पष्ट रूप से ट्विटर स्थान में परिवर्तन दिखाया और पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक खाते तक पहुंच को अवरुद्ध कर दिया। यह मामला तब सामने आया जब गिलगित-बाल्टिस्तान में कई ट्विटर उपयोगकर्ताओं ने शिकायत की कि वे क्षेत्र से सरकार के आधिकारिक अकाउंट तक पहुंचने में असमर्थ हैं। जब उपयोगकर्ताओं ने अकाउंट एक्सेसका प्रयास किया, तब एक संदेश प्रदर्शित हुआ जिसमें कहा गया था कि कानूनी मांग के जवाब में भारत में खाता रोक दिया गया है। मार्च 2023 से भारत में पाकिस्तान की सरकार के आधिकारिक खाते पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। 2022 में खाते को कानूनी शिकायतों पर दो बार रोक दिया गया था। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गिलगित के रहीमाबाद क्षेत्र के निवासी यासिर हुसैन ने कहा कि मैं गिलगित-बाल्टिस्तान में हूं और ट्विटर पाकिस्तानी सरकार के ट्वीट नहीं दिख रही हैं। इसमें कहा गया है कि कानूनी मांग के जवाब में भारत में अकाउंट पर रोक लगा दी गई है। हेलो ट्विटर सपोर्ट, मैं पाकिस्तान में हूं, मैं उल्लेखित अकाउंट सहित मेरे द्वारा फॉलो किए जाने वाले विभिन्न अकाउंट के ट्वीट क्यों नहीं देख पा रहा हूं।

तेज रफ्तार बस के महावेली नदी में गिरने से 11 की मौत, 40 घायल

कोलंबो। श्रीलंका में एक बस के नदी में गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को यात्रियों से भरी एक बस महावेली नदी के पुल पर पहुंची ही थी कि पुल से टकरा कर नदी में गिर गई। इसके बाद कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 67 से अधिक यात्रियों को अक्कराईपत्थु ले जा रही बस देश की चार प्रमुख नदियों में से एक महावेली नदी में गिर गई। खबर मिलते ही नदी में गिरे कुछ लोगों को सेना और क्षेत्र के ग्रामीणों ने बचाया। बताया जा रहा है कि कई यात्री बह गए हैं और शवों को ढूंढने के लिए गोताखोरों को तैनात किया गया है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि तेज रफ्तार बस मनमपिटिया में कोटालिया पुल से टकराई और नदी में गिर गई। पुलिस के मुताबिक, घायल लोगों को पोलोन्नारुवा अस्पताल ले जाया गया है और इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि दुर्घटना का कारण लापरवाही से वाहन चलाना माना जा रहा है। पुसिल कार्रवाई में जुट गई है।

विद्रोह के बाद पुतिन ने की वैगनर चीफ प्रिगोझिन से मुलाकात, 3 घंटे तक हुई बात

क्रेमलिन के प्रवक्ता का कहना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भाड़े के प्रमुख और उनकी निजी सेना द्वारा अल्पकालिक विद्रोह के कुछ दिनों बाद वैगनर नेता येवगेनी प्रिगोझिन से मुलाकात की। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने सोमवार को कहा कि तीन घंटे की बैठक 29 जून को हुई और इसमें प्रिगोझिन द्वारा स्थापित सैन्य कंपनी के कमांडर भी शामिल थे। वैगनर के भाड़े के सैनिकों ने यूक्रेन में रूसी सैनिकों के साथ लड़ाई लड़ी है। प्रिगोझिन का रूस के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ लंबे समय से संघर्ष चल रहा था, जिसकी परिणति 24 जून को एक सशस्त्र विद्रोह में हुई, जिसमें उन्होंने रूस में अपने लड़ाकों का नेतृत्व किया। प्रिगोझिन ने बेलारूस में निर्वासन के लिए एक समझौते के बाद विद्रोह समाप्त कर दिया। पेसकोव ने कहा कि 29 जून की बैठक के दौरान, पुतिन ने यूक्रेन में युद्ध के मैदान पर वैगनर के कार्यों और 24 जून की घटनाओं卐 का आकलन पेश किया। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति ने कमांडरों के स्पष्टीकरण भी सुने और उन्हें आगे रोजगार और युद्ध में आगे उपयोग के विकल्प की पेशकश की। पेस्कोव ने कहा कि जो कुछ हुआ उसका स्वयं कमांडरों ने अपना संस्करण प्रस्तुत किया। उन्होंने रेखांकित किया कि वे राज्य के प्रमुख और कमांडर-इन-चीफ के कट्टर समर्थक और सैनिक हैं, और यह भी कहा कि वे अपनी मातृभूमि के लिए लड़ना जारी रखने के लिए तैयार हैं।

बीआरआई प्रॉजेक्ट के द्वारा नेपाल पर शिंकाजा कसने में जुटा ड्रैगन

काठमांडू। नेपाल और चीन के बीच शी जिनपिंग के ड्रीम प्रॉजेक्ट बेल्ट एंड रोड पर साल 2013 में हस्ताक्षर हुआ था। चीन का दावा है कि वह नया सिल्क रोड तैयार कर रहा है और इसके लिए वह अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। पाकिस्तान, श्रीलंका, कंबोडिया, अफ्रीका महाद्वीप सहित दुनिया के कई देशों में चीन ने अरबों डॉलर के बीआरआई प्रॉजेक्ट शुरू किए। वहीं नेपाल ने अब तक इस परियोजना से किनारा किया हुआ है। इसकारण नेपाल में बीआरआई का एक भी प्रॉजेक्ट शुरू नहीं हुआ है। इससे चीन अब भड़का हुआ है और नेपाल सरकार के साथ उसकी जुबानी जंग शुरू हो गई है। दरअसल, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसे देशों में बीआरआई प्रॉजेक्ट सफेद हाथी साबित हुए हैं। भारत के पड़ोसी देश इसमें फंसकर आर्थिक तबाही की स्थिति में आ गए हैं। श्रीलंका जहां डिफॉल्ट हो चुका है, वहीं पाकिस्तान कंगाल हो चुका है। नेपाल ने इससे सबक लेकर बीआरआई से दूरी बना रखी है जिससे अब चीन नाराज हो गया है। चीन ने अब नेपाल में चलाए जा रहे अपने सभी प्रॉजेक्ट को जबरन बीआरआई का हिस्सा बताना शुरू कर दिया है। वहीं नेपाली सरकार ने साफ कर दिया है कि देश में अभी बीआरआई परियोजना शुरू ही नहीं हो सकी है। बीआरआई में शामिल होने के बाद नेपाल ने शुरू में एक फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर किया था जिसमें शुरू में बीआरआई के तहत 35 प्रॉजेक्ट को शामिल किया गया था। बाद में यह केवल 9 तक सिमट गया। नेपाल सरकार के इन प्रॉजेक्ट के वित्तपोषण (साफ्ट लोन या ग्रांट) को लेकर संदेह जताने के बाद भी चीन ने अब दावा शुरू कर दिया है कि नेपाल में पूरे किए गए कई प्रॉजेक्ट बीआरआई का हिस्सा है।

जापान में भारी बारिश के बाद फुकूओका से झरने की तरह बहता पानी।

नाटो की बैठक में उत्तर कोरिया को लेकर बात करुंगा : यूं सुक येओल

सियोल (ईएमएस)। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने कहा कि उत्तर कोरिया की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय संकल्प को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने का समय आ गया है और इस सप्ताह उनकी उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के नेताओं के साथ उत्तर कोरिया के बढ़ते हथियारों के भंडार से निपटने के तरीके पर चर्चा करने की योजना है। राष्ट्रपति येओल लिथुआनिया के विलनियस में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले हैं। वह मंगलवार और बुधवार को दो देशों की यात्रा पर रहने वाले हैं, जिसमें पोलैंड भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''अब यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने का समय है कि उ.कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का दृढ़ संकल्प उत्तर कोरिया की परमाणु हथियार विकसित करने की इच्छा से अधिक मजबूत है। द.कोरिया के राष्ट्रपति लगातार दूसरे साल नाटो शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। पिछले साल स्पेन शिखर सम्मेलन में भी उन्होंने हिस्सा लिया था। नाटो शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले तब वह पहले दक्षिण कोरियाई नेता बन गए थे। येओल अब उस समय शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं, जब उनका देश कई सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिसमें तानाशाह का परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका-चीन की रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता शामिल है। यात्रा पर रवाना होने से पहले यूं ने कहा कि वह और नाटो के नेता ''उत्तर कोरिया के अवैध कृत्यों'' के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि परमाणु निरस्त्रीकरण और साइबर सुरक्षा सहित 11 क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के लिए एक नया नाटो-दक्षिण कोरियाई दस्तावेज शिखर सम्मेलन में पेश किया जाएगा।

चीन के नागरिकों व संपत्ति की सुरक्षा भी वैगनर जैसी निजी फर्मों के हवाले

-रूसी सेना की बगावत से ड्रैगन हुआ परेशान, हथियारबंद सुरक्षा को लेकर सतर्कता जरूरी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन अब रूस की सेना द्वारा बगावत किए जाने के बाद फूंक-फूंककर कदम रख रहा है। क्योंकि चीन में भी रूस की ही तरह निजी सुरक्षा एजेंसियां वहां नागरिकों व संपत्ति की सुरक्षा में जुटी हुई हैं। गौरतलब है कि रूसी सेना के खिलाफ येवगेनी प्रिगोझिन की भाड़े के सैनिकों की कंपनी वैगनर ग्रुप की हालिया बगावत ने दुनिया भर में सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स को सकते में डाल दिया। इस विद्रोह के पीछे प्रिगोझिन के मंसूबों पर अभी भी बात हो रही है। इससे रूस, चीन और कई दूसरे देशों में निजी सैनिक कंपनियों के उपयोग पर नए सिरे से बहस चल रही है। गौरतलब है कि रूस की तरह ही चीन भी दुनिया भर में अपने नागरिकों और संपत्तियों की सुरक्षा के लिए निजी सुरक्षा फर्मों का उपयोग कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन की ये रक्षा कंपनियां अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाजों पर समुद्री डकैती का मुकाबला करने, केन्या में रेलवे बुनियादी ढांचे और श्रीलंका में ईंधन डिपो की सुरक्षा करने जैसे कई कामों में लगी हैं।

जानकारी के अनुसर ये कंपनियां आमतौर पर हथियारबंद सुरक्षा, जोखिम के आकलन और ट्रेनिंग सहित कई तरह की सुरक्षा सेवाएं मुहैया कराती हैं। चीन की बढ़ती वैश्विक अर्थव्यवस्था ने बीजिंग की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत चीनी इंडस्ट्री ने कई विकासशील देशों में बड़ी परियोजनाएं शुरू की हैं। बंदरगाहों, रेलवे और बांधों सहित इन उद्योगों ने जोखिम से भरी विदेशी जगहों पर लाखों चीनी नागरिकों को रोजगार दिया है। यही वजह है कि चीन भविष्य में निजी सैन्य कंपनियों का अधिक उपयोग करना शुरू कर सकता है। जानकारी के अनुसार 2017 में चीन ने एक कानून पास किया जो 'अंतरराष्ट्रीय शांति स्थापना और मानवीय सहायता मिशनों' में निजी सैन्य कंपनियों के उपयोग की अनुमति देता है। यह कानून चीन के लिए निजी सैन्य कंपनियों का अधिक मुखर तरीकों से उपयोग करने का रास्ता खोल सकता है।

हर स्तर पर इसकी चर्चा हो रही है। जेम्सटाउन फाउंडेशन के एक वरिष्ठ फेलो सर्गेई सुखनकिन ने बताया कि चीन अपना असर बढ़ाने के लिए निजी सुरक्षा कंपनियों को एक मंच के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। वहीं एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका और चीन के बीच सुपर पॉवर की होड़ बढ़ती जा रही है। ऐसे में चीन जहां सीधे सामने नहीं आ सकता, वहां अपनी जंग को आगे बढ़ाने के लिए निजी डिफेंस फर्मों के आक्रामक उपयोग का समर्थन कर सकता है। जानकार बताते हैं कि यूक्रेन के युद्ध में रूस ने वैगनर का इस्तेमाल किया, उससे भी चीन को सबक मिला है।

चुनौती की आशंका के चलते यूक्रेनी सेनाध्यक्ष जालुझनी को पद से हटाना चाहते हैं जेलेंस्की

कीव (एजेंसी)। वर्तमान में यूक्रेनी सेनाध्यक्ष जनरल जालुझनी की लोकप्रियता राष्ट्रपति जेलेस्की से भी ज्यादा है। यह बात जेलेंस्की को परेशान कर रही है। यही वजह है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की जल्द ही जालुझनी को यूक्रेनी सेनाध्यक्ष के पद से हटाने वाले हैं। क्योंकि जनरल जालुझनी को जेलेंस्की के प्रतियोगी के तौर पर देखा जा रहा है। इन दिनों यूक्रेनी सेनाध्यक्ष जनरल जालुझनी को लेकर कई अफवाहें चल रही हैं। कुछ दिनों पहले भी दावा किया गया था कि राष्ट्रपति जेलेंस्की जल्द ही जालुझनी को यूक्रेनी सेनाध्यक्ष के पद से हटाने वाले हैं। यह भी कहा गया था कि जनरल जालुझनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की नेतृत्व को चुनौती देने वाले हैं। हालांकि, यूक्रेनी राष्ट्रपति कार्यालय ने इन दोनों दावों का खंडन किया था। इसके अलावा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया था कि जनरल जालुझनी यूक्रेन में नहीं हैं। उन्होंने कहा था कि हमें पता है कि जालुझनी किसी दूसरे देश में मौजूद हैं। इसके साथ ही जालुझनी के रूसी हवाई हमले में घायल होने का भी दावा किया गया था।

बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध को शुरू हुए 500 दिन पूरे हो चुके हैं। इस दौरान यूक्रेनी सेना ने हर मोर्चे पर रूसी आक्रमण का मुंहतोड़ जवाब दिया है। इसमें सबसे ज्यादा जिसकी तारीफ हो रही है, वो हैं यूक्रेनी सेनाध्यक्ष जनरल वेलरी जालुझनी। जनरल जालुझनी की उम्र मात्र 49 साल है। वह 2021 से ही यूक्रेनी सेना के कमांडर इन चीफ हैं। उन्हें जानने वालों के मुताबिक, जनरल जालुझनी की नियुक्ति सीधे यूक्रेनी राष्ट्रपति कार्यालय यानी वलोडिमिर जेलेंस्की के आदेश पर की गई थी। लेकिन, ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, अब जनरल जालुझनी जेलेंस्की के लिए ही सिरदर्द बनते जा रहे हैं। यूक्रेनी सेना प्रमुख जनरल जालुझनी को एक महत्वकांक्षी सैन्य कमांडर के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में एक झटके में ही पदोन्नति की कई सीढ़ियां चढ़ी है। कहा जाता है कि उनका यूक्रेनी सेना में बड़ा प्रभाव है और वह सीधे तौर पर जंग के मैदान में मौजूद सैनिकों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाते हैं।

चीन की कोशिशों पर बांग्लादेश ने फेरा पानी, विदेश मंत्री अब्दुल मोमेन ने बताई हकीकत

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने कहा है कि बांग्लादेश चीन की पूंछ नहीं है, वह सभी से बराबर मित्रता के पक्ष में हैं। उन्होंने चीन को लेकर एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि उनका देश भारत के साथ अटूट मित्रता में है। हालांकि पिछले काफी समय से चीन बांग्लादेश में अपनी एक अलग जगह बनाने की कोशिशों में लगा है। उसकी कोशिशों को देश के विदेश मंत्री डॉक्टर एके अब्दुल मोमेन की तरफ से दिए गए एक बयान के बाद झटका लग सकता है। विदेश मंत्री मोमेन ने कहा है कि उनका देश चीन की पूंछ नहीं है। साथ ही भारत के साथ बांग्लादेश के रिश्ते चट्टान की तरह मजबूत हैं और उन्होंने इन रिश्तों को एक सुनहरा अध्याय करार दिया है। मोमेन ने पिछले दिनों आयोजित एक कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब में कहा कि यह बातें गलत हैं कि बांग्लादेश का झुकाव किसी एक खास देश के लिए बहुत ज्यादा है। मोमेन ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि हम चीन की तरफ झुके हैं। लेकिन यह हकीकत नहीं है, जाहिर तौर पर यह बात जबरदस्ती कही जा रही है। हमने हमेशा से एक संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति का पालन किया है। हमारा झुकाव किसी के प्रति नहीं है।

उन्होंने देश के राष्ट्रपिता शेख मुजिबर रहमान के उस कथन की याद दिलाई जो था, सभी के प्रति मित्रता, किसी के प्रति द्वेष नहीं। मोमिन ने कहा कि बांग्लादेश का मकसद सार्वजनिक कल्याण की दिशा में काम करना है और देश की सरकार इसी लक्ष्य को दिमाम में रखकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने इस बात को भी दोहराया कि बांग्लादेश कभी भी चीन के कर्ज जाल में नहीं फंसा है। उनका कहना था कि उनकी इस बात को कई लोगों ने स्वीकार भी किया है। विदेश मंत्री मोमेन ने कहा कि यह एक गलत धारणा है। कुछ पंडित ऐसा कहते हैं। कई लोगों ने इसे स्वीकार किया, खासकर कुछ विदेशी संस्थानों ने भी कहा, लेकिन हम किसी भी परिस्थिति में चीनी ऋण जाल में नहीं फंसेंगे। श्रीलंक के हालातों के बाद कुछ लोगों ने यह गलत धारणा बना ली कि श्रीलंका के बाद उनका देश भी चीनी कर्ज के जाल में फंस जाएगा। आंकड़े साझा करते हुए उन्होंने कहा कि बांग्लादेश सोच-समझकर फैसले लेने वाला देश है। विदेशी ऋण लेते समय सरकार बहुत सावधान रहती है और गैर-जरूरी कर्ज नहीं लेती है।

दलाई लामा से अमेरिकी राजदूत की मुलाकात पर चीन को लगी मिर्ची

-एरिक गार्सेटी के मिलने पर चीन ने बताया अपराध, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप

बीजिंग (एजेंसी)। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने दलाई लामा से मुलाकात क्या कर ली कि चीन ने इसे अपराध घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिब्बतियों के सर्वोच्च धर्मगुरु दलाई लामा से अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने मुलाकात की। नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात पर चीन आगबबूला हो गया है। चीन ने एक एक बयान जारी करके हलचल मचा दी है। चीन ने इस मुलाकात को पूरी तरह से अपराध करार दिया और कहा कि यह चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है। इससे पहले रविवार को अमेरिकी राजदूत गार्सेटी और तिब्बतियों पर अमेरिका की विशेष समन्वयक उजरा जेया ने दलाई लामा से मुलाकात की थी। इस दौरान तिब्बतियों की निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति पेनपा त्सेरिंग भी मौजूद थे। इससे पहले दलाई लामा ने खुलासा किया था कि चीन ने उनसे संपर्क की कोशिश की है। नई दिल्ली में चीन के दूतावास ने एक बयान जारी करके कहा कि गार्सेटी का दलाई लामा से मिलना चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है। चीन ने कहा कि किसी भी विदेशी ताकत को हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है। चीन विदेशी अधिकारियों और तिब्बती स्वतंत्रता चाहने वाली ताकतों के बीच किसी भी प्रकार संपर्क का कड़ा विरोध करता है।

चीन ने तो यहां तक कहा कि तिब्बती मामलों पर विशेष अमेरिकी दूत का मिलना पूरी तरह से अपराध है। यह कदम चीन के आंतरिक मामलों में राजनीतिक हस्तक्षेप है। यह तिब्बत में विकास और स्थिरता को कमतर करता है। चीन इसका हमेशा से ही विरोध करता रहा है और कभी भी इसको मान्यता नहीं दी है। उसने दावा किया कि 14वें दलाई लामा किसी भी तरह से धार्मिक चेहरा नहीं हैं, इसकी बजाय वह एक राजनीतिक निर्वासित व्यक्ति हैं जो चीन विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। साथ ही तिब्बत को चीन से अलग करना चाहते हैं।

चीन ने तिब्बत की निर्वासित सरकार को लेकर भी हमला बोला और इसे गैरकानूनी तथा चीन के संविधान के खिलाफ करार दिया था। यही वजह है कि चीन ने अमेरिका से कहा कि वह तिब्बत को चीन का हिस्सा मानने के अपने वादे को पूरा करे। साथ ही चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना बंद करे। इसके अलावा दलाई लामा की अलगाववादी नीतियों को समर्थन देना बंद करे। बता दों कि इससे पहले दलाई लामा ने खुलासा किया था कि चीन उनके साथ बातचीत करना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि तिब्बत स्वतंत्रता नहीं चाहता है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा से ही चीन के साथ बातचीत करना चाहते हैं।

धरती के जीव-जंतुओं पर कहर बरपाएगा सौर तूफान

-वैज्ञानिकों ने जारी की चेतावनी,

वॉशिंगटन (एजेंसी)। धरती पर सूरज की किरणें अब ऐसा रूप अख्तियार करेंगे, जो किसी हमले जैसी लगेंगी। सूरज हमारे आकलन से ज्यादा तपिश के साथ धरती के जीव-जंतुओं पर कहर बरपाएगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अगर सौर तूफान आया तो धरती के वायुमंडल पर बुरी तरह से असर डालेगा। उनको अंदेशा है कि इससे उपग्रह और संचार प्रणाली को बड़ा नुकसान हो सकता है।

यही नहीं, हमारा जीपीएस सिस्टम भी अस्थायी रूप से ध्वस्त हो सकता है। उनका कहना है कि इस बार सौर तूफान धरती के जीव-जंतु के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस बार सूर्य का तापमान शिखर पर पहुंच चुका है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि सूर्य हमारे ग्रह को 2023 के अंत तक अपना सबसे खतरनाक रूप दिखाएगा। इस दौरान सूर्य की तपिश में लगातार बढ़ोतरी हो सकती है। वैज्ञानिकों ने इस खतरे का आकलन कुछ समय बाद के लिए लगाया गया था, लेकिन ये असर अनुमानित समय से पहले ही दिखना शुरू हो गया है। उनके मुताबिक, सौरमंडल में हर 11 साल के बाद ऐसे हालात बनते हैं। इस दौरान सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र में बड़ा बदलाव होता है।इससे उत्तरी ध्रुव दक्षिणी ध्रुव में तब्दील हो जाता है.ध्रुवों के इस उलटफेर के कारण सूर्य की रोशनी और तपिश बहुत ज्यादा बढ़ जाती है।

सौरमंडल में बनने वाले ऐसे हालात धरती के लिए काफी खतरनाक माने जाते हैं।सौर तूफान के कारण धरती की संचार प्रणालियों पर बुरा असर पड़ने का खतरा बनता है।इसके अलावा बिजली के बुनियादी ढांचे को भी नुकसान हो सकता है।अंतरिक्ष में मौजूद एस्ट्रोनॉट्स पर भी इसका बुरा असर होता है।वैज्ञानिक के मुताबिक, इस बार सौर तूफान जल्द आने की आशंका है।ये अनुमान से ज्यादा ताकतवर भी हो सकता है.पहले वैज्ञानिकों को वर्तमान सौर चक्र के 2025 में चरम पर पहुंचने का अंदेशा था।अब दुर्लभ सौर घटनाओं को देखते हुए अनुमान में बदलाव किया गया है।

हालांकि, वैज्ञानिकों अब तक ये स्पष्ट तौर पर नहीं जान पाए हैं कि सूर्य का चक्र इतने लंबे समय तक क्यों चलता है? ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के सौर भौतिक विज्ञानी एलेक्स जेम्स के मुताबिक, ये सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र पर निर्भर है।सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र के सक्रिय होते ही उसके सुरक्षा घेरे पर असर पड़ता है।इससे आग की गर्मी वाली रोशनी निकलती है।इसे सौर ज्वाला कहा जाता है.अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अप्रैल 2019 में सौर चक्र 2025 को लेकर अनुमान जताते हुए चेतावनी जारी की थी। इससे पहले 2014 के मध्य और 2016 की शुरुआत के बीच सौर चक्र अपने चरम बिंदु पर था।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, दिसंबर 2022 में सूर्य 8 साल के सनस्पॉट पीक पर पहुंच गया था।वैज्ञानिकों ने जनवरी 2023 में ही नासा की भविष्यवाणी के मुकाबले दोगुने से भी अधिक सनस्पॉट को स्पॉट किया था।फरवरी में यह संख्या फिर बढ़ गई। वैज्ञानिकों कहना है कि सूरज की तपिश लगातार बढ़ती जा रही है। तपती गर्मी में बारिश की बौछारें भी कुछ ही देर अपनी ठंडक बरकरार रख पाती हैं। बारिश के बाद पड़ने वाली भीषण गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं।

डोडा में आया भूकंप, तीव्रता 4.9 आंकी गई

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भूकंप आने के समाचार मिले हैं। मिली जानकारी के अनुसार यहां सोमवार सुबह 4.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सुबह पांच बजकर 38 मिनट पर भूकंप आया। फिलहाल भूकंप से किसी तरह का नुकसान होने की खबरें नहीं हैं। एनसीएस ने बताया कि भूकंप का केंद्र डोडा क्षेत्र में जमीन से 10 किलोमीटर की गहरायी में स्थित था। अधिकारियों के अनुसार, डोडा में इस साल जून से लेकर अब तक 12 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए है। हालांकि भूकंप की तीव्रता हर बार अलग-अलग रही है। जिले में इससे पहले 13 जून को 5.4 तीव्रता के भूकंप आने के कारण मकानों समेत कई इमारतों में दरारें पड़ गयी थी।

वैष्णो देवी की यात्रा के दौरान कैमरा, लैपटॉप और टैब रहेंगे बैन

श्रीनगर । वैष्णो माता की यात्रा के दौरान कैमरा, लैपटॉप और टैब ले जाने पर पूरी तरह से बैन लगा दिया गया है। अब यदि कोई ले जाता है तो उसे इन सभी चीजों को कटड़ा में ही जमा करवाना होगा। इसको लेकर श्राइन बोर्ड प्रशासन ने एसओपी जारी कर दिया है। हालांकि मोबाइल फोन ले जाने पर किसी तरह का कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार श्राइन बोर्ड प्रशासन का कहना है कि मोबाइल फोन से श्रद्धालु अपने स्वजन से संपर्क में रहते हैं। इस संबंध में माता का दर्शन करने आ रहे श्रद्धालुओं को जागरूक करने के लिए कटड़ा में स्थापित सूचना केंद्र से अनाउंसमेंट भी की जा रही है और जगह-जगह साइन बोर्ड भी लगाए गए हैं। हालांकि सुरक्षा कारणों के चलते प्रशासन द्वारा यह फैसला लिया गया है। क्योंकि वैष्णो देवी भवन और यात्रा राष्ट्र विरोधी तत्वों के निशाने पर है। गौरतलब है कि देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को अपना वीडियो कैमरा, डिजिटल कैमरा, लैपटॉप, टैब आदि जैसे उपकरण कटड़ा में ही पर्यटन विभाग या श्राइन बोर्ड के क्लाक रूम में जमा करवाना होगा। इसके अलावा जिस होटल व गेस्ट हाउस या धर्मशाला में श्रद्धालु ठहरेंगे, वहां भी जमा करवा सकते हैं। अगर ऐसे उपकरणों को श्रद्धालु भवन की तरफ ले जाना चाहते हैं तो पहले श्राइन बोर्ड और पुलिस विभाग से अनुमति लेनी पड़ेगी। हालांकि कई वर्षों से भवन मार्ग पर वीडियो कैमरा या डिजिटल कैमरा आदि ले जाने की पहले से ही मनाही है। लेकिन हाल ही में श्राइन बोर्ड द्वारा एसओपी जारी कर लैपटॉप व टैब को भी भवन मार्ग पर ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

सिब्बल ने स्टालिन की मांग का किया समर्थन

नई दिल्ली । राज्यसभा के सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की राज्यपाल आर एन रवि की बर्खास्तगी की मांग का समर्थन कर आरोप लगाया कि विपक्ष शासित राज्यों के राज्यपाल 'अस्थिरता पैदा कर हस्तक्षे पकरते हैं'। सीएम स्टालिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि रवि 'साम्प्रदायिक घृणा को भड़काते हैं' और तमिलनाडु की शांति के लिए 'खतरा' हैं। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा, ''राज्यपाल के व्यवहार और कदम ने साबित किया है कि वह पक्षपात कर रहे हैं और राज्यपाल के पद पर रहने के लायक नहीं है। रवि को शीर्ष पद से हटाया जाना चाहिए है।'' सिब्बल ने घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देकर कहा, ''(भीम राव) आंबेडकर ने राज्यपालों को लेकर कहा था कि यह केवल एक नामपात्र का पद है। उन्हें प्रशासन में हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया, ''विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपालों का हिंदुत्व एजेंडा है, वे अस्थिरता पैदा कर हस्तक्षेप करते हैं तथा घृणा पैदा करते है। रवि की बर्खास्तगी को लेकर स्टालिन की मांग उचित है। केंद्र की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री रहे सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी थी और समाजवादी पार्टी के सहयोग से निर्दलीय सदस्य के रूप में राज्यसभा में निर्वाचित हुए थे। उन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ने के मकसद के साथ हाल में एक गैर-चुनावी मंच 'इंसाफ' का गठन किया है।

आप नेता सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत, 24 जुलाई तक सुप्रीम कोर्ट ने बढ़ाई जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच किए जा रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चिकित्सा आधार पर दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को दी गई अंतरिम जमानत सोमवार को 24 जुलाई तक बढ़ा दी है। न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने जैन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू को मेडिकल रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान सिंघवी ने कहा कि तीन अस्पतालों ने जैन के लिए सर्जरी की सिफारिश की है। शीर्ष अदालत ने 26 मई को जैन को चिकित्सा आधार पर छह सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत देते हुए कहा था कि एक नागरिक को अपने खर्च पर निजी अस्पताल में अपनी पसंद का इलाज कराने का अधिकार है। ईडी ने जैन को कथित तौर पर उनसे जुड़ी चार कंपनियों के माध्यम से धन शोधन के आरोप में पिछले साल 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया था। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान, सिंघवी ने कहा कि तीन अस्पतालों ने जैन के लिए सर्जरी की सिफारिश की है।

अग्निवीरों के लिए खुशखबरी! अब सेना में 50प्रतिशत होंगे परमानेंट, योजना पर हो रहा विचार

नई दिल्ली। महत्वाकांक्षी अग्निपथ योजना में आने वाले दिनों में कुछ बदलाव देखने को मिल सकती है। सशस्त्र बल भविष्य में उत्पन्न होने वाली समस्याओं से निपटने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि जिस प्रस्ताव पर काम किया जा रहा है, उसमें अग्निवीरों के स्थायी रूप से शामिल होने का प्रतिशत बढ़ाकर 50 प्रतिशत करना शामिल है। एक अन्य मुद्दा जिस पर गौर किया जा रहा है वह है विमानन, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और इसी तरह के ट्रेडों जैसी तकनीकी धाराओं के लिए योग्य उम्मीदवारों को शामिल करना है।

50 प्रतिशत शामिल करने का प्रस्ताव

वर्तमान में, यह प्रति बैच 25 प्रतिशत है, लेकिन सूत्रों ने कहा कि इसे 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, इसके अलावा उम्र में छूट और ज्वाइनिंग की संख्या में बढ़ोतरी का भी सुझाव दिया गया है। एक सूत्र ने बताया कि यह सुझाव सामने रखा गया है और इस पर विचार होने की संभावना है क्योंकि यह समय की मांग है। जबकि हर साल बड़ी संख्या में कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं, लेकिन शामिल होने की दर अनियमित रही है, खासकर कोविड-19 महामारी से प्रभावित वर्षों के दौरान। इस कदम का लक्ष्य आवश्यक संख्या को पूरा करना है। पहले, प्रति वर्ष सेवानिवृत्ति और उसके बाद की नियुक्तियों से इस अंतर को पाटने में मदद मिलती थी। जबकि प्रति वर्ष लगभग 60,000 कर्मियों की सेवानिवृत्ति होती है, ज्वाइनिंग प्रभावित हुई है। खबर यह भी है कि सेना अग्निवीरों की भर्ती में टेक्निकल भर्ती की अधिकतम उम्र 21 साल से बढ़ाकर 23 साल करने पर भी विचार कर रही है।

जैन मुनि की हत्या पर बीजेपी ने की दोषियों को सजा दिए जाने की मांग, राज्य सरकार ने सीबीआई जांच के लिए नकारा

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेलगावी जिले के एक गांव में एक जैन मुनि की हत्या के बाद उनके शव को बोरवेल में डालने का मामला सामने आने के बाद से ही बवाल मचा हुआ है। जिले के चिकोड़ी तालुक में कुएं में शव के टुकड़े मिले थे, जिसके बाद पार्टियों ने इस हत्या की निंदा की है। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी की कर्नाटक इकाई ने रविवार को मांग की कि बेलगावी के चिक्कोडी में हुई दिगंबर जैन साधु की निर्मम हत्या के मामले में गहन जांच की जानी चाहिए। इस मामले पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि श्री कामकुमार नंदी महारा की हत्या बेहद निंदनीय है। आरोपी का नाम भी शुरू में उजागर नहीं किया जा रहा था। स्थानीय लोगों को यह बयान देने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया गया कि जैन मुनि कुछ वित्तीय लेनदेन में शामिल थे। मामले को ऐसा बनाया गया कि हत्या आर्थिक कारणों से की गई है। उन्होंने कहा कि ये हत्यारों को बचाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि ये तुष्टिकरण की राजनीति की पराकाष्ठा है। राज्य सरकार पर जब दबाव बनाया गया तब सरकार सक्रिय हुई है। हत्यारों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। बता दें कि जैन मुनि आचार्य श्री कामाकुमारा नंदी महाराज की हत्या की गई थी। इस मामले में जांच करते हुए पुलिस ने नारायण बसप्पा मडी और हसन दलायथ को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पैसों के चलते इस हत्या को अंजाम दिया है।

देश में प्रजातंत्र नहीं...राहुल गांधी की नेतागिरी संकट में : नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि गरीबी हटाओ के नाम पर कांग्रेस पार्टी लंबे समय तक राजनीति करती रही, गरीबों के नाम पर वोट लिया और गरीबों को ही लूटती रही। लेकिन सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया। जेपी नड्डा गुजरात के गोधरा में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि 9 वर्ष पहले भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें नंबर पर थी, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ब्रिटेन को पछाड़कर भारत, दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

हर तरफ हुआ विकास

नड्डा ने कहा कि 9 साल पहले 92प्र. मोबाइल विदेशों से बनकर आता था और सबसे ज्यादा चीन से आता था, आज 97प्र. मोबाइल भारत बना रहा है। उन्होंने कहा कि स्टील उत्पादन में भारत चौथे नंबर पर था, आज भारत स्टील उत्पादन में दूसरे नंबर पर है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक समय था जब भारत के प्रधानमंत्री कहते थे कि मैं 1 रुपया भेजता हूं तो 85 पैसे गायब हो जाते हैं। वह पता नहीं कौन सा पंजा था जिसमें वह 85 पैसे चिपक जाते थे। आज के डिजिटल इंडिया में पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में जाता है। उन्होंने कहा कि 70 साल में 74 एयरपोर्ट बने और मोदी जी के 9 साल में 74 एयरपोर्ट बने। जिसमें से 8 एयरपोर्ट तो हमारे गुजरात में ही बन रहे हैं।

राहुल पर निशाना

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी ब्रिटेन में जाकर बोल रहे हैं कि भारत में 'प्रजातंत्र' खतरे में है। ये बातें वह कर रहा है जिनकी दादी ने आपातकाल लगाकार लाखों लोगों को जेल भेज दिया था। ऐसे लोग प्रजातंत्र की बात कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत में प्रजातंत्र तो खतरे में नहीं है बल्कि इनकी नेतागिरी खतरे मे हैं। उन्होंने कहा कि 9 वर्ष के अंदर मोदी जी ने भारतीय राजनीति की संस्कृति बदल डाली है। वंशवाद और वोट बैंक की राजनीति से निकालकर देश को विकासवाद की ओर ले गए हैं। 1951-52 से हम सोचते रहे कि अंत्योदय, एकात्म मानववाद, गरीब का भला हो, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का भला हो।

एस जयशंकर ने राज्यसभा चुनाव के लिए गुजरात में नामांकन दाखिल किया

अहमदाबाद। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज राज्यसभा चुनाव के लिए गुजरात में नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील समेत अन्य नेता उपस्थित रहेगा। बता दें कि गुजरात में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव होना है, जिसमें सीट पर एस जयशंकर पर्चा दाखिल कर दिया है। भाजपा गुजरात से किन दो लोगों को राज्यसभा भेजेगी इस पर सस्पैंश बरकार है। वर्तमान में एस जयशंकर, जुगलजी ठाकोर और दिनेश अनावडिया राज्यसभा सांसद हैं। एस जयशंकर को रिपीट किए जाने की पहले से संभावना थी। लेकिन जगलजी ठाकोर और दिनेश अनावडिया के साथ पर भाजपा किसी राज्यसभा भेजती है यह जल्द ही सामने आएगा। भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर एस जयशंकर ने आज 12.39 बजे के शुभ मुहूर्त में नामांकन दाखिल किया। पर्चार दाखिल करने के बाद एस जयशंकर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि गुजरात से मुझे राज्यसभा में जाने का अवसर मिला वह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। चार पहले मैं भाजपा की ओर से राज्यसभा गया था, जहां विदेश नीति से जुड़ने का मुझे अवसर मिला। अब भविष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से जो भी विकास कार्य और प्रगति होगी उसमें अपना पूरा योगदान दूंगा। उन्होंने कहा कि गुजरात को एक मॉडल स्टेट माना जाता है। भारत की अंतर्राष्ट्रीय ख्याति बढ़ी है। इस मौके पर एस जयशंकर ने भाजपा समेत समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। बता दें कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 13 जुलाई है और आज 10 जुलाई को भाजपा की ओर से पहला नामांकन दाखिल किया गया है। भाजपा के अन्य दो उम्मीदवार कौन होंगे? इस पर फिलहाल सस्पैंश बना हुआ है। भाजपा चाहे जिसे उम्मीदवार बनाए तीनों को निर्विरोध जीतना तय है। क्योंकि पर्याप्त संख्याबल नहीं होने की वजह से कांग्रेस राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार उतारने से पहले ही इंकार कर चुकी है। 182 सीटों वाली गुजरात विधानसभा में भाजपा के 156 विधायक हैं। जबकि कांग्रेस के 17 और आम आदमी पार्टी के 5 विधायक हैं। ऐसे में विपक्ष के किसी उम्मीदवार के जीतने की कोई गुंजाईश नहीं है।

बारिश की स्थिति पर बोले केजरीवाल, यह उंगली उठाने का समय नहीं, प्रभावित राज्यों की सरकार को मिलकर काम करने की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह समय एक-दूसरे पर उंगली उठाने का नहीं बल्कि सभी बारिश प्रभावित राज्यों की सरकारों को मिलकर काम करने और स्थिति पर काबू पाने का है। केजरीवाल दिल्ली में जलभराव की स्थिति और यमुना के बढ़ते स्तर पर मंत्रियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। बैठक में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भाग ली। इसके अलावा, मंत्री आतिशी मार्लेना और सौरभ भारद्वाज के भी बैठक में उपस्थित रहे।

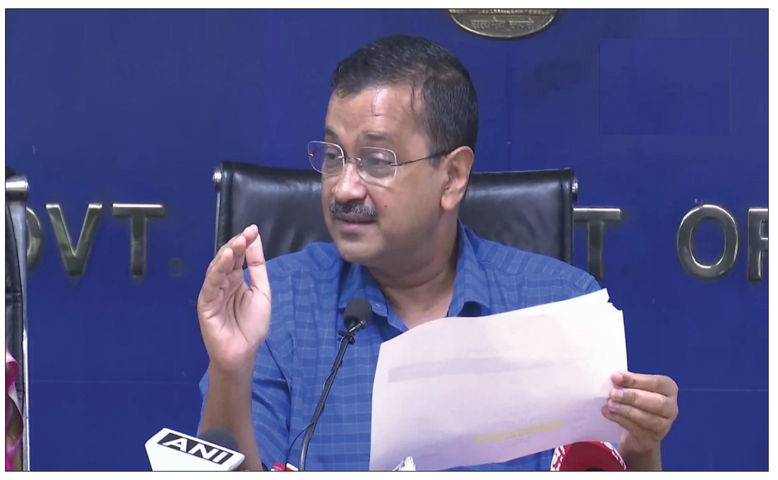

केजरीवाल ने क्या कहा

भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह एक दूसरे पर उंगली उठाने का समय नहीं है। सभी प्रभावित राज्यों की सरकारों को जनता को राहत देने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि CWC के मुताबिक दिल्ली में यमुना नदी में जलस्तर 203.58 मीटर है। कल सुबह इसके 205.5 मीटर तक पहुंचने की आशंका है। साथ ही, मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, यमुना में जल स्तर बहुत अधिक बढ़ने की उम्मीद नहीं है। अगर यमुना 206 मीटर के निशान को पार करती है, तो हम नदी के किनारे निकासी शुरू कर देंगे। लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी ने कहा कि बाढ़ को लेकर दिल्ली सरकार की पूरी तैयारी है। पानी का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 2 दिनों में ही पानी 8-10 फूट बढ़ चुका है। अगले 24 घंटे में 10-12 फूट पानी बढ़ने की उम्मीद है। हमारा अनुमान है कि हमें करीब 30 हजार लोगों को निकालने की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए हमारी पूरी तैयारी हो गई है।

दिल्ली में भारी बारिश

यमुना नदी चेतावनी स्तर को पार कर गई है। दोपहर एक बजे नदी का जलस्तर 204.63 मीटर रिकार्ड किया गया। दोपहर 1 बजे तक हथिनीकुंड बैराज से 1,90,837 क्यूसेक पानी यमुना में छोड़ा गया। IMD वैज्ञानिक सोमा सेन रॉय ने कहा कि हम दिल्ली में 12cm तक बारिश की उम्मीद कर रहे हैं, यह अधिक भी हो सकती है और हम निगरानी कर रहे हैं... आज दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है... हम उम्मीद कर रहे हैं कि कल से उत्तर-पश्चिम हिमालय क्षेत्र में बारिश थोड़ी कम हो जाएगी।

मूसलाधार बारिश से प्रभावित हिमाचल प्रदेश, अन्य राज्यों को पीएम केयर से अतिरिक्त राशि दी जाए : खरगे

यवतमाल (एजेंसी)। नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मूसलाधार बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश और उत्तर भारत के कुछ अन्य राज्यों में हुए जान माल के नुकसान पर सोमवार को दुख जताया और केन्द्र सरकार से आग्रह किया कि पीएम केयर कोष से अतिरिक्त सहायता राशि प्रदान की जानी चाहिए। खरगे ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से फोन पर बात भी की और प्रभावित राज्यों के पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया है कि वे राहत एवं बचाव कार्य में अपना योगदान दें। खरगे ने ट्वीट किया, उत्तर भारत के राज्यों में बेतहाशा बारिश के कारण कई लोगों की मृत्यु दुखद व पीड़ादायक है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री से बात हुई। राज्य में राहत कार्यों में तेज़ी आई है और मूसलाधार बारिश से प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने के लिए, ख़राब मौसम के बावजूद हरसंभव प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम बचाव कार्य कर रही हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पीड़ितों को उचित मुआवज़ा दिया जाएगा और जान-माल का जो नुक़सान हुआ है, उसकी भरपाई के लिए हर संभव मदद मिलेगी। उन्होंने बताया, सभी कांग्रेस विधायकों को हमने निर्देश दिए हैं कि अपने क्षेत्र में प्रभावित लोगों की हर प्रकार से मदद करें। सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वह सहायता में अपना योगदान दें। खरगे ने कहा, केन्द्र सरकार से आग्रह है कि हिमाचल प्रदेश समेत अन्य राज्यों के लिए पीएम केयर फंड से एक अतिरिक्त राहत राशि उपलब्ध कराई जाए। इस मुश्किल समय में हम प्रभावित लोगों के साथ है।

उद्धव ठाकरे का बड़ा बयान, शिवसेना नाम मेरे दादा ने दिया था, मैं किसी को इसे हथियाने नहीं दूंगा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। अपने विदर्भ दौरे के दूसरे दिन, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को कहा कि वह कभी मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते थे, लेकिन शिवसेना के लिए पद चाहते थे, जैसा कि उन्होंने अपने पिता बालासाहेब ठाकरे से वादा किया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को किसी को भी शिवसेना नाम देने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि यह नाम उद्धव के दादा केशव ठाकरे ने दिया था। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग चुनाव चिह्न पर फैसला कर सकता है, लेकिन नाम पर नहीं।

भाजपा पर वार

उद्धव का दौरा महाराष्ट्र में तीव्र राजनीतिक संकट के बीच हो रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार और अजित पवार के बीच विभाजित हो गई है और अजित पवार खेमा सरकार में शामिल हो गया है। पिछले साल एकनाथ शिंदे द्वारा उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत करने और शिवसेना के विभाजन के बाद यह किसी पार्टी का दूसरा विभाजन है। भाजपा के खिलाफ अपना हमला जारी रखते हुए, उद्धव ने सोमवार को कहा कि पार्टियों का टूटना कोई नई बात नहीं है, लेकिन अब वे चोरी हो रही हैं। उन्होंने साथ तौर पर कहा कि शिवसेना नाम मेरे दादा ने दिया था। आयोग नाम कैसे बदल सकता है? मैं किसी को पार्टी का नाम हथियाने नहीं दूंगा। देश में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा नीत केंद्र सरकार का मुकाबला करने के लिए कुछ विपक्षी दलों के एकजुट होने के प्रयासों संबंधी सवाल पर ठाकरे ने कहा, ''मैं इसे विपक्षी दलों की एकता नहीं कहूंगा, लेकिन हम सभी देशभक्त हैं और हम लोकतंत्र के लिए ऐसा कर रहे हैं।''

31 जुलाई को सुनवाई

निर्वाचन आयोग ने इस साल फरवरी में 'शिवसेना' नाम और उसका पार्टी चिह्न 'धनुष एवं बाण' महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत गुट को आवंटित किया था। आयोग ने ठाकरे गुट को शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नाम और 'मशाल' चुनाव चिह्न को बनाए रखने की अनुमति दी, जो उसे राज्य में विधानसभा उपचुनावों के समाप्त होने तक एक अंतरिम आदेश में दिया गया था। शिंदे ने पिछले साल जुलाई में ठाकरे के खिलाफ बगावत कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन किया था और सरकार का गठन किया था। खबर यह भी है कि उच्चतम न्यायालय ने 'शिवसेना' नाम और पार्टी का चिह्न 'धनुष और बाण' महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट को आवंटित करने के निर्वाचन आयोग (ईसी) के फैसले के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की याचिका पर 31 जुलाई को सुनवाई करने पर सोमवार को सहमति जताई।

बुलंद इरादों के साथ भारत का चंद्रयान मिशन पर रवाना होने को तैयार

-चांद पर पहुंचने के लिए 14 जुलाई को होगा रवाना, श्रीहरिकोटा में तैयारियां पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने बुलंद इरादों के साथ भारत का चंद्रयान अपने मिशन पर रवाना होने को तैयार हैं। इसकी लांचिंग के लिए श्रीहरिकोटा में सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, अब सिर्फ 14 जुलाई का इंतजार है। वैज्ञानिक भी उसी पल का इंतजार कर रहे हैं जब अपनी पीठ पर बिठाकर इसरो का सबसे ताकतवर रॉकेट एनएमवी-तीन 14 जुलाई को रवाना होगा। उस समय वह अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों की पोटली भी साथ ले जाएगा। चांद को चूमने पर ये उम्मीदें ही हर भारतीय के सीने में खुशी बनकर फूटेंगी। पूरा देश दुआएं कर रहा है। पिछली बार जो कसक रह गई थी, इस बार सब मंगल ही होगा। भारत के चंद्रयान मिशन पर रवाना होने का पूरे देश को बेसब्री से इंतजार है। चंद्रयान की श्रीहरिकोटा से लॉन्चिंग होने वाला है। लोग बताते हैं कि सांप और साधुओं का देश कहा जाने वाला भारत आज स्पेस टेक्नोलॉजी में दुनिया के ताकतवर देशों के साथ खड़ा है। चंद्रयान-3 का लैंडर चंद्रमा की सतह पर 23 या 24 अगस्त को सॉफ्ट लैंडिंग कर सकता है। हालांकि पिछली बार क्रैश लैंडिंग हुई थी।

इस बारे में स्पेस मिनिस्टर जितेंद्र सिंह ने कहा है कि अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत भी चांद की सतह पर लैंड करने वाला चौथा देश बनने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि स्पेस के क्षेत्र में हमारी विशेषज्ञता में जबर्दस्त इजाफा हुआ है। चांद को चूमने में अब भारत को ज्यादा इंतजार नहीं करना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चांद पर उतरने के बाद चंद्रयान-3 का छह पहिए वाला रोवर लैंडर से बाहर आएगा और चांद की सतह पर इसके 14 दिनों तक काम करने की उम्मीद है। सिंह ने बताया कि रोवर पर लगे कई कैमरों की मदद से हम तस्वीरें हासिल कर सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्पेस सेक्टर में पहले के टैबू को तोड़ने का श्रेय पीएम मोदी को देते हुए सिंह ने कहा कि पीएम के हालिया अमेरिका दौरे के समय स्पेस क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह से विकास की ग्रोथ हो रही है उससे भारत का स्पेस सेक्टर आने वाले वर्षों में 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन सकता है। हालांकि 2020 में दुनिया की स्पेस इकोनॉमी में भारत की हिस्सेदारी मात्र 2.1 प्रतिशत थी। चंद्रयान-3 मिशन का पूरा बजट 615 करोड़ रुपये है। चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान का रोवर चांद की सतह का अध्ययन करेगा और यह लैंडर के अंदर बैठकर जा रहा है। इसरो ने बताया है कि चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग 14 जुलाई 2023 को दोपहर 2।35 बजे श्रीहरिकोटा से होगी। मिशन के तहत चंद्रयान-3 आगामी 23 अगस्त या 24 अगस्त को चंद्रमा पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' का प्रयास करेगा। लैंडर के मिशन की पूरी अवधि एक चंद्र दिवस की रहने वाली है, जो पृथ्वी के 14 दिन के बराबर है।

उत्तराखंड के चमौली में आ सकता हैं भयावक भूकंप

देहरादून (एजेंसी)। चमौली जिला जोशीमठ में भूधंसाव की घटना के बाद से देशभर में चिंता और चिंतन के केंद्र में है। अब चमौली जिला भूकंप की संवेदनशीलता के लिहाज से चर्चा में आ गया है। यूं तब पूरा उत्तराखंड ही भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है, लेकिन चमौली जिला अधिक चिंता बढ़ता दिख रहा है। वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान का ताजा शोध बताता है कि उत्तराखंड के बाकी क्षेत्रों से इतर चमौली जिले की जमीन 10 गुना भूकंपीय ऊर्जा बाहर निकाल रही है।

ताजा शोधपत्र में निदेशक कालाचाँद साईं सहित वरिष्ठ विज्ञानी डॉ. अनिल तिवारी आदि के मुताबिक चमौली क्षेत्र की भूमि की संवेदनशीलता की स्थिति के आकलन के लिए उत्तराखंड क्षेत्र में 5500 भूकंपों का अध्ययन किया गया। वर्ष 1999 से 2020 के बीच के इन भूकंपों में 511 में सिर्फ भूकंपीय ऊर्जा का आकलन किया गया। अध्ययन में शामिल किए गए भूकंपों की तीव्रता दो से लेकर 5.7 मैग्नीट्यूट थी।

अध्ययन में पता चला कि राज्य के अन्य क्षेत्रों में भूकंप से 10 से 12 बार (दाब मापने की इकाई) की ऊर्जा बाहर निकली, जबकि चमौली क्षेत्र में यह ऊर्जा 90 से 100 बार तक भी रही। वरिष्ठ विज्ञानी डॉ.तिवारी के मुताबिक यह स्थिति बताती है कि चमौली के भूगर्भ में न सिर्फ अधिक ऊर्जा संचित हो रही है, बल्कि वह उसी अनुपात में बाहर भी निकल रही है। वाडिया संस्थान के वरिष्ठ विज्ञानी डॉ.तिवारी के मुताबिक चमौली में सतह से 12 से 14 किलोमीटर की गहराई में ठोस चट्टानें और गर्म तरल भूकंपीय ऊर्जा को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। इस तरह यहां की भौगोलिक व भूगर्भीय संरचना अन्य क्षेत्रों के मुकाबले भिन्न है। वरिष्ठ विज्ञानी के मुताबिक चमौली जिले में जो भी भूकंप का रहे हैं, उनका स्रोत एक ही फाल्ट है। सभी भूकंप जोशीमठ के पास हेलंग से गुजर रही ऐतिहासिक फाल्टलाइन एमसीटी (मेन सेंट्रल ट्रस्ट) के दक्षिण में आ रहे हैं।

बड़े भूकंप की आशंका तब बलवती हो जाती है, जब भूकंप का श्रोत एक ही फाल्टलाइन हो। प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में आ रहे भूकंपों में ऐसी स्थिति नहीं है। वरिष्ठ विज्ञानी डा तिवारी के मुताबिक भूकंप के दौरान बाहर निकलने वाली ऊर्जा का मापन ब्राडबैंड सिस्मोमीटर के माध्यम से किया जाता है। सिस्मोमीटर भूकंपीय तरंगों को रिकार्ड करता है, साथ ही इनकी प्रकृति व भूगर्भ में हुए रप्चर (टूटन) के आधार पर बाहर निकल रही ऊर्जा की क्षमता का आकलन किया जाता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिजर्वेशन कोच के यात्री ने किया हंगामा, महिला के साथ हुआ छेडछाड-चालू टिकट बनाने से नाराज हुए

इंदौर से मुंबई जाने वाली अवंतिका सुपरफास्ट एक्सप्रेस में यात्रीयों ने T.C को ट्रेन से उतरने नहीं दिया

T.C के बुलाने पर भी मदद में नही आया गोधरा से सुरत तक RPF & GRP

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, सुरत स्टेशन से चलने वाली ट्रेन अवंतिका सुपरफास्ट एक्सप्रेस नबर 12962 इंदौर से मुंबई जाने वाली ट्रेन में s-8 कोच में यात्रा कर यात्रीयों ने रिजर्वेशन कोच जनरल कोच से भी ज्यादा भीड़ होने से परेशान और साथ ही मेधनगर स्टेशन के पास एक महिला के साथ छेडछाड करने की शिकायत साथी यात्री से करने पर साथीयों के विरोध करने पर बिना टिकट सफ़र कर रहे यात्री ने रिजर्वेशन कोच मारामारी और गाली-गलोज होने के बाद जब इसकी जानकारी जब रेल्वे वड़ोदरा RPF को देने के बाद भी मदद के लिए कोई आशा न दिखाई देने पर यात्रीयों ने गोधरा के पास ट्रेन की चैन-पुलिंग के रोका जिसके बाद भी लगभग 15 मिनिट तक गाड़ी रूका होने के बाद भी RPF & GRP ट्रेन में न आने से नाराज हुए यात्रीयों ने T.C को s-8 कोच बैठाया रखा और यात्रीयों के गुस्सा के सामने और ट्रेन में सफ़र कर रहे यात्रीयों वीडियो बना कर अपनी समास्याएं शोशल मिडिया में वायरल किया।

मेधनगर स्टेशन से यात्रीयों ने जब T.C को s-8 कोच बैठाया रखा और T.C के द्वारा बार-बार RPF कंट्रोल को फोन करने पर भी कोई जवाब नही मिला तो हेरान-परेशान होकर T.C ने ही यात्रीयों से कहा की जो करना हों करो हमारे लिए यात्रीयों ही आज भगवान हैं

प्रेमी को पानी की चाह में पति की हत्यारन बन गई पत्नी, पुलिस दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

जूनागढ़,जिले के वीरडी गांव के निकट से कुछ दिन पहले 40 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद हुआ था। मामले की जांच कर रही मालिया हाटीना पुलिस ने मृतक की पत्नी के मोबाइल के संदिग्ध मैसेज के आधार पर पूरे केस की गुत्थी सुलझाते हुए महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ जिले की मालिया हाटीना में रहनेवाले भावेश कानाभाई परमार पिछले काफी समय से कैंसर पीड़ित है और आर्थिक रूप से भी मजबूत नहीं था। जिसकी वजह से भावेश परमार की पत्नी अमरापुर के रहनेवाले भरत वाढिया के करीब आ गई। भरत वाढिया जमीन खरीद-बिक्री का काम करता है और उसी वजह से वह भावेश परमार के संपर्क में आया था। भरत वाढिया की एक संतान हैं, जबकि भावेश परमार की दो संतानें हैं। कैंसर ग्रस्त और आर्थिक रूप से भावेश परमार के कमजोर होने की वजह से उसकी पत्नी और भरत वाढिया के बीच प्रेमसंबंध कायम हो गए। जिसे बिना किसी बाधा के जारी रखने के लिए दोनों ने भावेश परमार की हत्या करने की योजना बनाई। भावेश परमार के घर पर ही उसकी पत्नी और भरत वाढिया ने सिर पर प्रहार कर मौत के घाट उतार दिया। जिसके बाद उसका शव मोटर साइकिल के साथ वीरडी के निकट फैंक हत्या को आत्महत्या में खपाने का प्रयास किया। लेकिन मृतक की पत्नी के मोबाइल में संदिग्ध मैसेज से पुलिस ने घटना का पर्दाफाश कर दिया और भरत वाडिया समेत मृतक भावेश की पत्नी को गिरफ्तार कर लिया।

नाम बदलकर विधर्मी युवक ने हिन्दू युवती का फंसाया, शादी की लालच देकर दुष्कर्म किया, जांच में जुटी पुलिस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर से लव जिहाद की एक घटना सामने आई है, जिसमें विधर्मी युवक ने नाम बदलकर एक हिन्दू युवती को अपने प्रेमजाल में फांस लिया और उसके बाद शादी की लालच देकर दुष्कर्म किया। घटना के 15 दिन बाद युवती को विधर्मी के हकीकत का पता चला। जानकारी के मुताबिक सूरत में कपड़े की दुकान चलाने वाले ओझेर आलम नामक शख्स ने हिन्दू युवती को अपना अर्जुनसिंह के रूप में परिचय देकर अपने जाल में फंसा लिया। बाद में युवती को शादी की लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। ओझेर आलम युवती को सापूतारा ले गया। हांलाकि घटना के 15 दिन बाद युवती को ओझेर आलम की सच्चाई का पता चल गया। पीड़िता ने बताया कि वह पिछले 8 महीनों से उसके संपर्क में थी और वह जब मिलता तब खुद का नाम अर्जुनसिंह बताता था। युवती ने बताया कि हम दोनों 15 दिन पहले सापूतारा गए थे, जहां उसने मेरे साथ विश्वासघात किया। घटना सामने आने के बाद हिन्दू संगठन लोग पुलिस थाने पहुंच गया। ओझेर आलम बिहार के चंपारण जिले के मूल निवासी है और सूरत में कपड़े की दुकान चलाता है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरूकर दी है।

सोना तस्करी केस में डीआरआई ने सूरत एयरपोर्ट के इमिग्रेशन में सेवारत पीएसआई गिरफ्तार किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, दक्षिण गुजरात के सूरत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोने की तस्करी मामले में बड़ी कार्यवाही करते हुए डिरेक्टोरेट ऑफ रेवन्यू इंटेलिजेन्स (डीआरआई) ने बड़ी कार्यवाही करते हुए इमिग्रेशन अधिकारी और तीन यात्रियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। साथ 48.2 किलो ग्राम सोने का पेस्ट भी बरामद कर लिया। बरामद सोने की अनुमानित कीमत रु 25 करोड़ बताई जा रही है। डीआरआई से मिली जानकारी के मुताबिक ।जुलाई को ठोस सूचना के आधार पर डीआरआई के अधिकारियों ने सूरत एयरपोर्ट पर शाहजहां से आई फ्लाइट से उतरे तीन यात्रियों को सोने की तस्करी के संदेह पर रोक उनकी तलाशी ली। तलाशी में ब्लैक बेल्ट में छिपाए गए 20 सफेद कलर के पैकेटों में 43.5 किलो सोना बरामद हुआ। जिसके बाद तीनों यात्रियों से पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ। पूछताछ में पता चला कि एयरपोर्ट पर तैनात अधिकारियों की मदद से सोने की तस्करी कर भारत लाए थे। तीनों यात्रियों का स्क्रीनिंग और जांच टालने के लिए शौचालय में सोने का लेन-देन करने की योजना थी। हांलाकि उससे पहले सीआईएसएफ ने शौचालय से पेस्ट के रूप में 4.67 किलोग्राम सोना और बरामद कर लिया और डीआरआई को सौंप दिया। डीआरआई के मुताबिक तस्करों से कुल 48.20 किलोग्राम सोना बरामद किया गया है, जिसकी कीमत रु 25.26 करोड़ आंकी गई है। डीआरआई ने कस्टम्स एक्ट 1962 के तहत तीन यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही इमिग्रेशन में सेवारत पीएसआई पराग दवे को भी गिरफ्तार किया गया है।

छत्रपति शिवाजी पर अभद्र टिप्पणी करना महंगा पड़ा पाटीदार युवक को,गिरफ्तारी के बाद मांगी माफी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,भारतवर्ष की महान पुण्यभूमि की मान मर्यादा बनाये रखने के लिए इस धरती पर कई ऐसे महान सपूतों ने जन्म लिया, जिनका जीवन मानो मातृभूमि के को समर्पित करने के लिए ही बना था। उनका इस देश में जन्म होना हम सबका सौभाग्य था, क्योंकि उनकी बदौलत ही आज हम पूरे मान सम्मान से इस देश में सर उठाकर जी रहे हैं। देश के ऐसे ही महान वीर सपूतों में से एक थे छत्रपति शिवाजी महाराज, जिन्होंने मराठा अस्मिता को बचाए रखने के लिए अपना पूरा जीवन न्योछावर कर दिया। छत्रपति शिवाजी को महाराष्ट्र में भगवान की तरह पूजा जाता है और ऐसे महान सपूत के खिलाफ वडोदरा के एक पाटीदार युवक ने अभद्र टिप्पणी कर दी। मामला पुलिस थाने पहुंच गया और युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद युवक ने माफी मांग ली और कहा कि शिवाजी के खिलाफ टिप्पणी करने के पीछे उसका कोई गलत उद्देश्य नहीं था। दरअसल वडोदरा के खंडेराव मार्केट क्षेत्र में रहनेवाली दीपक पालकर ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि आर्यन नामक युवक ने शिवाजी महाराज के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की है। जिससे हिन्दू समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है। आर्यन ने सरेआम शिवाजी पर अभद्र टिप्पणी करता हुआ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर हिन्दू धर्म की भावनाएं आहत हो ऐसा काम किया है। दीपक ने बताया कि यह वीडियो उसे वॉट्सएप पर मिला है। दीपक पालकर की शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 153(ए) और 294 बी के तहत केस दर्ज किया और आर्यन पटेल को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आर्यन पटेल ने बताया कि उसने दोस्त के साथ मजाक मस्ती में यह वीडियो बनाया था। इस वीडियो बनाने का मकसद किसी की भावनाओं को चोट पहुंचाना नहीं था। अगर उसके वीडियो से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह इसके लिए क्षमा मांगता है।

हरिद्वार टूर के नाम पर ट्रावेल्स कंपनी ने 38 यात्रियों को लगाया 4.41 लाख का चूना

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अगर आप ट्रावेल्स कंपनी के जरिए टूर का योजना बना रहे हैं तो सावधान हो जाइए। शहर के खोखरा से हरिद्वार टूर के नाम पर ट्रावेल्स कंपनी ने 38 यात्रियों से 4.41 लाख रूपए ठग लिए। पुलिस ने ठगी का शिकार यात्रियों की शिकायत के आधार पर ट्रावेल्स कंपनी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के खोखरा क्षेत्र के परिष्कार एपार्टमेंट निवासी महर्षि शाह ने तीन महीने पहले हरिद्वार और ऋषिकेश के दर्शन करने जाने की योजना बनाई थी। फेसबुक पर सर्च करने पर महर्षि शाह को एचएस होलिडेज नामक ट्रावेल्स कंपनी के बारे में जानकारी मिली। महर्षि शाह ने एचएस होलिडेज के हेमांग पंचाल से संपर्क किया और 38 लोगों को पैकेज तय किया। जिसमें वयस्कों का किराया रु 13311 और बच्चों का रु 97660 तय हुआ। 26 मई से 1 जून को यात्रा पर जाना था, उससे पहले महर्षि शाह ने सभी जरूरी दस्तावेज भी हेमांग पंचाल के पास जमा करवा दिए। 26 जून की सुबह जब महर्षि ने हेमांग को कॉल किया तो उसका मोबाइल बंद था। जिसके बाद महर्षि तुरंत हेमांग की ऑफीस पहुंच गया, जहां ताला लटका हुआ था। ऑनलाइन चेक करने पर पता चला कि हेमांग ने सभी फ्लाइट की बुकिंग रद्द करवा दी थी। इतना ही नहीं ट्रेन की भी टिकटें कैंसल करवा दी थी। ठगे जाने का अहसास होने के बाद महर्षि समेत सभी यात्रियों ने अहमदाबाद के मणीनगर पुलिस थाने में हेमांग पंचाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है।